रोहतक
रविवार, 7 दिसंबर, 2025
पौष मास कृष्ण पक्ष
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 308
पृष्ठ : 16 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 25.1
न्यून. 3.5

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

9 गिल की वापसी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे टी-20

haribhoomi.com

ALLEN's 2025 result validated by
Official result validator
EY
Shape the future with confidence

हरियाणा से एक और गोल्ड!

ALLEN ONLINE चैंप ने

भारत के लिए GOLD जीता

रूस में हुए International Junior Science Olympiad में

आदिश जैन
कक्षा 10
नारनौल, हरियाणा

देखें, कैसे आदिश ने ALLEN Online के साथ सफलता पाई!
स्कैन करे:

ALLEN Online Courses
के लिए एडमिशंस खुले हैं!
कक्षा 6-10 | JEE | NEET

आज ही एनरोल करें और पाएं
15% early bird discount!*
विज़िट करें allen.in या कॉल: +91-9641119057

*Early bird fee benefit is valid for a limited time & on selected courses only. T&C apply.

The student featured is part of our full-year paid course

खबर संक्षेप

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि दी।

विस कर्मियों का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

चंडीगढ़। हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (हिपा), गुरुग्राम द्वारा हरियाणा विधान सभा के प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी अधिकारियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में कुल 41 अधिकारियों—जिनमें सचिव, अतिरिक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव, विधि अधिकारी, समिति अधिकारी, मीडिया एवं संचार अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

पुलिस ने 165 बदमाश किए गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस द्वारा राज्य भर में चलाया जा रहा ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन अपराधियों के लिए काल साबित हो रहा है। 5 दिसंबर के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा पुलिस ने राज्य भर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक ही दिन में नशा, शराब और जुआ के लिए कुख्यात 834 हॉटस्पॉट स्थानों पर व्यापक कॉम्बिंग अभियान चलाया। इस सघन अभियान के परिणामस्वरूप पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न आपराधिक मामलों में 106 मुकदमे दर्ज किए और 165 अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। नशा तस्करों और संगठित अपराध पर पुलिस का एक्शन अभियान की सबसे बड़ी सफलता रही।

अंतरिक्ष से हमारा देश सारे जहां से अच्छा दिखाई देता है : शुभांशु शुक्ला

■ इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में लोगों से रूबरू हुए अंतरिक्ष यात्री ■ बीस दिन की अंतरिक्ष यात्रा के अनुभव साझा किए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

चार दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल का शनिवार को पंचकूला के सेक्टर-5 में विधिवत शुभारंभ हुआ। समारोह का पहला दिन छात्रों, युवाओं और विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अपने बीच पाकर बच्चे उत्साह से भर उठे। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपने अंतरिक्ष मिशन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि अंतरिक्ष से भारत का दृश्य अद्भुत दिखाई देता है और हमारा देश सारे जहां से अच्छा प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि लगभग 20 दिन की अपनी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान उन्होंने अनेक वैज्ञानिक प्रयोग किए और गगनयान मिशन के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाईं, जो भारत की मानव अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ेंगी। इसके अलावा उन्होंने भारत-केंद्रित भोजन, दवाइयों और नवीन तकनीकों पर भी प्रयोग किए।

विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर

शुभांशु शुक्ला ने कहा कि भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है कि देश इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने युवाओं, विशेषकर बच्चों, से विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। युवा आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा।उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति बढ़ती रुचि उत्साहजनक है और अध्यापकों की भी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के एस्ट्रोनॉट बनने के सपनों को साकार करने में मार्गदर्शन दें।

राकेश शर्मा को बताया प्रेरणा स्रोत

एक छात्र द्वारा पूछे सवाल क्या केवल एयर फ़ोर्स में रहकर ही एस्ट्रोनॉट बना जा सकता है के उत्तर में उन्होंने बताया कि एक नया फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है जिसके तहत केवल एयर फ़ोर्स या आर्म्ड फोर्सेज ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों से भी लोग एस्ट्रोनॉट बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा से मिली प्रेरणा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने की हिम्मत दी।

प्रयास करने से सफलता तय

इंटरैक्टिव सत्र के दौरान शुभांशु शुक्ला ने छात्रों और युवाओं के प्रश्नों के उत्तर दिए और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने बताया कि जिस दिन वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से कहा था कि जल्द ही भारत से हमारा बेटा या बेटी अंतरिक्ष में जाएंगे। उस घोषणा ने उनके मन में अंतरिक्ष में जाने की प्रेरणा जागृत की थी। उसी दिन से उन्होंने इस दिशा में निरंतर प्रयास शुरू कर दिए। उन्होंने कहा परिस्थितियां कैसी भी हों मनुष्य को प्रयास करते रहना चाहिए सफलता एक न एक दिन अवश्य मिलती है।

सात वर्षों में 24 हजार मेगावाट बिजली का लक्ष्य : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

प्रदेश के सरकारी भवनों पर लगेंगे रूफटॉप सोलर, पार्क भी बनेंगे

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को राज्य में तेजी से लागू करें

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि राज्य के सभी सरकारी भवनों—जैसे स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, कार्यालय, गोदाम आदि—पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जाएं, ताकि राज्य को हरित ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर किया जा सके। मुख्यमंत्री सिविल सचिवालय में ऊर्जा (पावर) क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

सोलर सिस्टम को लेकर कर्मियों की जिम्मेदारी तय होगी : सीएम

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को राज्य में घर-घर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के मासिक उपलब्ध आंकड़ों की भी जानकारी ली और सख्त मॉनिटरिंग और जवाबदेही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने राज्यभर में बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा के लिए सोलर पार्क विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की प्रमुख सड़कों और राजमार्गों से पुराने और खराब बिजली खंभों को तुरंत हटाने के भी आदेश दिए, ताकि सार्वजनिक सुरक्षा बढ़े और सड़क सौंदर्य में सुधार हो। हरियाणा पॉवर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) के चेयरमैन श्यामल मिश्रा ने बताया कि 20 नवंबर 2025 तक राज्य में 42,486 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे किए जा चुके हैं। 31 मार्च 2027 तक 2,22,000 रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अगले 7 वर्षों में 24,000 मेगावाट बिजली उपलब्धता सुनिश्चित का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने की महाग्राम योजना की समीक्षा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की महत्वपूर्ण बजट घोषणाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि विभाग लंबित परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करे। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता को बुनियादी सुविधाओं का लाभ तुरंत और प्रभावी रूप से उपलब्ध करवाना है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य करें। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि महाग्राम योजना के तहत 12 चयनित गांवों में शहरी स्तर की पेयजल एवं सीवरेज सुविधाएं उपलब्ध करवाने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। अब तक मोरा कलां (गुरुग्राम), भैंसवाल कलां (सोनीपत) और खाम्बी (पलवल) में पेयजल व सीवरेज नेटवर्क का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

23 शहरों में बिछाई जाएगी 150 किमी. लंबी सीवरेज लाइन

इसके साथ ही, मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि विभिन्न शहरों में 150 किलोमीटर नई सीवर लाइनें बिछाने की बजट घोषणा के तहत 23 शहरों को चिन्हित किया गया है। इनमें से 100 किलोमीटर सीवर लाइन डालने का काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य भी अगले तीन महीनों में पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि पेयजल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भूमिगत जल का अनावश्यक दोहन बंद किया जाए और इसके स्थान पर ट्रीटेड वेस्ट वाटर के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

भाजपा की बैठक आज कैथल में

स्वदेशी अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की बनेगी योजना

■ स्वदेशी रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे मुख्यमंत्री नायब सैनी

चंडीगढ़। भाजपा की रविवार को कैथल में बड़ी बैठक होगी, जिसमें सरकार व संगठन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। सुबह 11 बजे होने वाली बैठक को मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा संबोधित करेंगे। कैथल के आरकेएसडी कॉलेज में होने वाली इस बैठक में वर्तमान में चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा होगी और आगे के कार्यक्रमों की योजना-रचना तैयार की जाएगी। स्वदेशी अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा होगी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी रथ यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।बैठक में सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, मोर्चों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, आत्मनिर्भर भारत की प्रदेश टोली, आत्मनिर्भर भारत के लोकसभा संयोजक, सभी मंडलों के अध्यक्ष शामिल होंगे।

स्थापना दिवस पर आज जुलाना में जुटेंगे जजपा नेता

चंडीगढ़। रविवार को जननायक जनता पार्टी के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर जुलाना में होने वाले बड़े कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। नेशनल हाईवे-352 पर जींद-जुलाना रोड के नजदीक खुले मैदान में हरी-पीले रंग में भव्य विशाल पंडाल सज चुका है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता रैली में शिरकत करेंगे। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर जेजेपी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। जेजेपी ने हरियाणा के केंद्र बिंदु जुलाना क्षेत्र की प्रदेशभर से बेहतर कनेक्टिविटी को देखते हुए यहां कार्यक्रम का आयोजन किया है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सैलजा ने हवाई सेवाओं में अव्यवस्था पर जताई चिंता

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने कहा कि देश में हवाई सेवाओं की अव्यवस्था लगातार बढ़ती जा रही है और एयरलाइंस द्वारा अचानक उड़ानें रद्द किए जाने की घटनाओं ने यात्रियों को गहरी चिंता और असुविधा में डाल दिया है। डीजीसीए और अन्य संबंधित संस्थाओं द्वारा समय रहते स्थिति की समीक्षा न करना तथा आवश्यक कदम न उठाना बेहद गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक विफलता को सामने लाती है, बल्कि करोड़ों यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। सैलजा ने कहा कि हवाई सेवाओं में एक प्रकार की एकाधिकार जैसी प्रवृत्ति उभरती दिखाई दे रही है, जिसका सीधा नुकसान आम यात्रियों को झेलना पड़ रहा है। बार-बार फ्लाइट कैंसिल होने से परेशानी बढ़ गई है।

टैलेंट हंट : प्रवक्ता और मीडिया पैनेलिस्ट की तलाश में कांग्रेस

चंडीगढ़। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने युवा नेतृत्व को निखारने और पार्टी को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से देशव्यापी टैलेंट हंट अभियान की घोषणा की है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में प्रदेश मीडिया प्रभारी संजीव भारद्वाज द्वारा पत्रकार वार्ता के दौरान अहम जानकारी दी गई। पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय टैलेंट हंट कार्यक्रम, युवाओं के लिए संवैधानिक मूल्यों, लोकतंत्र की समृद्ध परंपराओं और कांग्रेस की मूल विचारधारा से जुड़ने का स्वर्णिम अवसर है।

प्रदेश की प्रतिभाओं को मौका मिलेगा : भारद्वाज

भारद्वाज ने कहा कि यह टैलेंट हंट एक ऐसा मंच है जहां देश के कोने-कोने से आए युवा अपने विचार, अपनी क्षमता और अपनी प्रतिबद्धता को साबित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से कांग्रेस प्रतिभावान ऊर्जावान जुझारू,और बुद्धिजीवी, युवाओं को प्रवक्ता,मीडिया पैनललिस्ट, रिसर्च कोऑर्डिनेटर, प्रचार कोऑर्डिनेटर,के तौर पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा, "कांग्रेस वह पार्टी है जिसने संविधान की रचना की, लोकतंत्र को मजबूत किया और समावेशी भारत का सपना देखा। आज जब देश कुछ चुनौतीपूर्ण सवालों से जूझ रहा है, तब नई पीढ़ी को आगे आकर गांधी, नेहरू, पटेल, अम्बेडकर और इंदिरा जी की विरासत को समकालीन चुनौतियों के साथ जोड़ना होगा।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF MS MEENU
Civil Judge (Senior Division),
ANITA WIDOW OF RAVI KUMAR
Vs.
General Public
CNR No. HRJR02-001240-2025
Next Date : 20-12-2025
PUBLICATION ISSUED TO :-
General Public
India
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **20.12.2025 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar*
Sd/- Meenu Civil Judge (Senior Division), Jhajjar
Dated, this day of 04.12.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF MS MEENU
Civil Judge (Senior Division),
NAVEEN KUMAR S/O RAMAVTAR
Vs.
1. MAHABIR SINGH S/O SHER SINGH S/O HARPHOOL
CNR No. HRJR02-001434-2024
Next Date : 03-01-2026
PUBLICATION ISSUED TO :-
1. Mahabir Singh 2. Jagbir Singh Ss/o Sher Singh S/o Harphool both Rs/o B-83A, Subhash Park, Extension Uttam Nagar, Delhi-110059
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **03.01.2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar*
Sd/- Meenu Civil Judge (Senior Division), Jhajjar
Dated, this day of 04.12.2025

राशिफल

मेष दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्मचारियों को दूसरे विभागों में आवेदन के लिए एनओसी नहीं लेनी होगी

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

सूबे की नायब सैनी सरकार ने एक राहत भरा कदम उठाते हुए सरकारी कर्मचारियों को सौगात दी है। अब वे अपने मूल विभाग से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना सीधे भर्ती एजेंसी को आवेदन भेज सकते हैं। बस उन्हें इतना करना होगा कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि से पहले कार्यालय एवं नियुक्ति प्राधिकारी को इसकी सूचना देनी अनिवार्य होगी। यह छूट केवल उन कर्मचारियों पर लागू होगी, जो वर्तमान विभाग के साथ किसी सेवा बांड से बंधे हुए नहीं हैं। इससे पहले कर्मचारियों को आवेदन करने से पूर्व एनओसी लेनी जरूरी थी, जो कागजी कार्रवाई और अनावश्यक देरी के कारण लंबी प्रक्रिया बन जाती थी। नए नियमों से प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सरलता आएगी और बाधाएं कम होंगी।

जिन कर्मचारियों पर सेवा बांड लागू उनके लिए एनओसी की शर्त यथावत

जिन कर्मचारियों पर सेवा बांड लागू है। उदाहरण के तौर पर डॉक्टर, प्रोफेसर और इंजीनियर, उनके लिए एनओसी की शर्त यथावत रहेगी। उन्हें हरियाणा सरकार के भीतर किसी नए पद पर आवेदन करने से पहले शर्त युक्त एनओसी लेनी होगी और यदि कोई सेवा बांड लागू है तो वह नए पद पर शेष अवधि के लिए स्थानांतरित हो जाएगा। इसी प्रकार, कोई भी राज्य कर्मचारी यदि केंद्र सरकार, यूपीएससी अथवा अन्य राज्य सरकार की किसी भर्ती एजेंसी के माध्यम से नियुक्ति हेतु आवेदन करता है, तो उसे नियुक्ति प्राधिकारी से एनओसी लेना अनिवार्य होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि वेतन निर्धारण, पेंशन और अवकाश से संबंधित पूर्व सेवा लाभ मान्य होंगे, बशर्ते ये लाभ हरियाणा सिविल सेवा नियमों के तहत अनुमन्य हों। इस परिवर्तन से 'उचित माध्यम से आवेदन' की पुरानी बाध्यता समाप्त हो गई है।

कर्मचारी के खिलाफ लंबित जांच के बारे में नियुक्त प्राधिकारी को भर्ती एजेंसी को जानकारी देनी होगी

यदि किसी कर्मचारी की सत्यनिष्ठा संबंधी रिपोर्ट प्रतिकूल है अथवा उसके विरुद्ध विभागीय या अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित है, तो नियुक्ति प्राधिकारी को भर्ती एजेंसी को इसकी जानकारी देना अनिवार्य होगा। हरियाणा के मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी विस्तृत निर्देशों में सरकारी कर्मचारियों द्वारा भविष्य में नियुक्ति अथवा स्थानांतरण हेतु आवेदन की संपूर्ण प्रक्रिया बताई है। इसके अलावा, पारिवारिक अथवा अन्य कारणों से त्यागपत्र देने वाले कर्मचारी को एक माह का नोटिस देना होगा अथवा उसके स्थान पर वेतन जमा करना होगा। बिना औपचारिक स्वीकृति के पदभार नहीं छोड़ा जा सकेगा। हालांकि, नियत तिथि से पहले दिया गया त्यागपत्र वापस लेने हेतु अनुरोध को स्वीकार किया जाएगा, भले ही पहले वह स्वीकृत कर लिया गया हो। हाल ही में जारी नए निर्देशों के अनुसार, कोई भी नियमित (अस्थायी सहित) सरकारी कर्मचारी यदि पंचायत, नगर निगम, विधानसभा या संसद चुनाव लड़ना चाहता है, तो उसे सेवा से त्यागपत्र देना अनिवार्य होगा। ऐसे मामलों में, चुनाव परिणाम की परवाह किए बिना, कर्मचारी को पुनः अपने मूल पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा।

शब्द पहेली - 6070

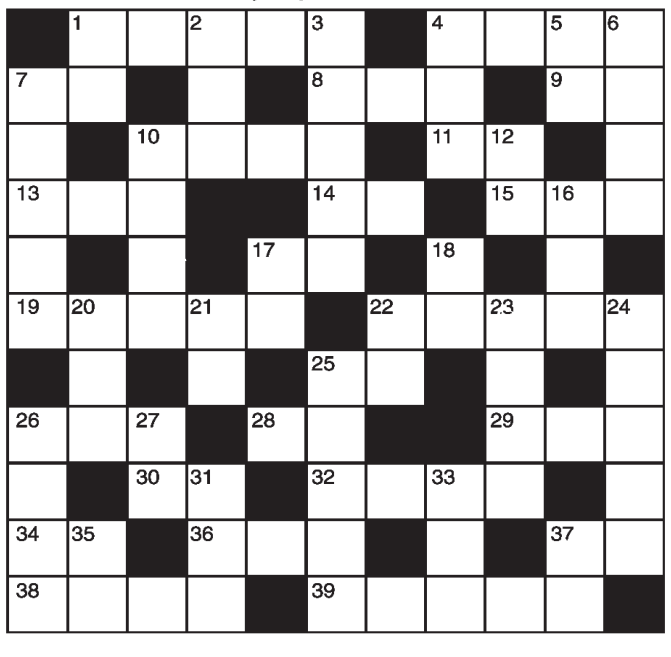

बाएँ से दाए
1. पावर हाऊस -5
4. दिमागी, कल्पित-4
7. हृदय-2
8. खोदना-3
9. प्रचार वाक्य, स्लोगन-2
10. नुकीला-4
11. कलिका-2
13. प्यारा, लाडला-3
14. विशिष्ट, विशेष-2
15. खर्च, उपभोग-3
17. नौका-2
19. नाम करण-2,3
22. चमकीला-5
25. महोदय (अंग्रेजी-2)
26. रनिवास, जनवासा-3
28. संध्या, सांझ-2
29. दलना, महीन करना-3
30. जस, सम्मान -2
32. कारागृह-4
34. आलाप, लय, सुर-2
36. पागल स्त्री-3
37. इंकार, मना-2
38. सराबोर, सना हुआ -4
39. वेश्या, तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1. चूहे का घर-2
2. नेता-3
3. सार-संभार-2,3
4. आदर्श, कसौटी-3
5. छाती-2
6. अचरज भरा कार्य-4
7. हृदय को ठेस लगना-5
10. अनवरत वर्षा-4
12. जूं का अंडा-2
16. ओट, घूंघट-3
17. मां के पिता-2
18. दुख, कष्ट-2
20. राष्ट्रीय पक्षी-3
21. पत्र, लैटर-2
22. गुप्तचर, दूत-2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24. रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25. समयुगीन, समवर्ती-5
26. बंद, स्ट्राइक-4
27. सुरा, शराब-2
31. वचन, प्रतिज्ञा-3
33. बंदर-3
35. नथनी, नथिया-2
37. शहद-2

शब्द पहेली- 6069 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	चा	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	न	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	श	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ग्र	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	य	र	त	पू	र्ण

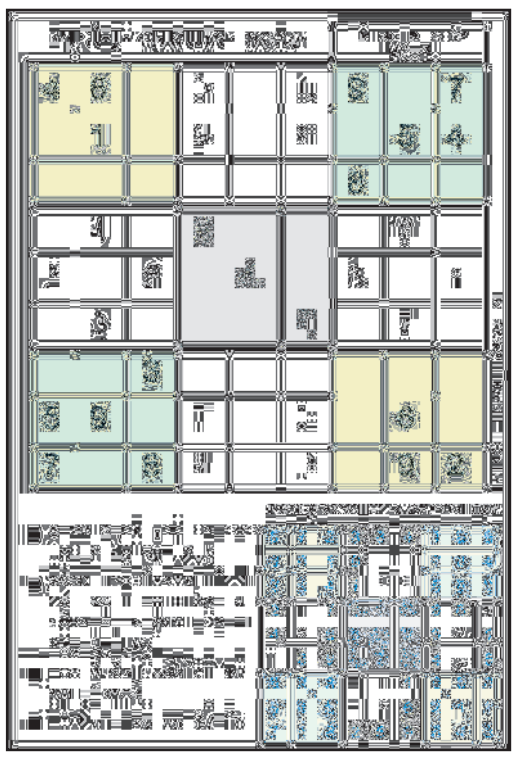

रोहतक
रविवार, 7 दिसंबर, 2025
पौष मास कृष्ण पक्ष
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 308
पृष्ठ : 16 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 25.1
न्यून. 3.5

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

10 पुतिन के दौरे से भारत-अमेरिका रिश्तों पर असर नहीं, हमारी दोस्ती कोई और तय नहीं कर सकता

खबर संक्षेप

भारत ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराया

विशाखापट्टनम। भारत ने साउथ अफ्रीका को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हरा दिया। विशाखापट्टनम में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। साउथ अफ्रीका 270 रन ही बना सका। भारत ने 40वें ओवर में महज एक विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। यशस्वी ने 111 गेंद पर अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाया। रोहित ने 75 और कोहली ने 65 रन बनाए। *(संबंधित खबर खेल पेज पर)*

कूनो में चीता वीरा के शावक की मौत

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता वीरा के 10 महीने के शावक का शव मिला है। गुरुवार देर रात ही ये शावक अपनी मां से अलग हो गया था। शुक्रवार को इसकी खोज की गई। दोपहर बाद पारोंद के जंगल में शव मिला। शावक की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। उन्होंने बताया कि वीरा और उसका दूसरा शावक पूरी तरह सुरक्षित हैं। *एजेंसी*

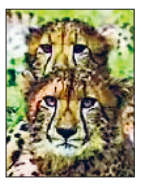

कश्मीर में साहस दिखाने वाले 4 नागरिक सम्मानित

श्रीनगर (भाषा)। जम्मू-कश्मीर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (जेकेएसडीआरएफ) ने इस साल की शुरुआत में पहलगाम हमले और पिछले महीने नौगाम थाने में दुर्घटनावश हुए विस्फोट के बाद मानव जीवन बचाने में उल्लेखनीय साहस दिखाने और प्रयास करने वाले चार नागरिकों को शनिवार को सम्मानित किया। जेकेएसडीआरएफ ने नौगाम थाने में 14 नवंबर को हुए दुर्घटनावश विस्फोट के बाद तुरंत बचाव कार्य में जुटे नौगाम क्षेत्र के निवासी वाहिद जिलानी डार, शब्बीर अहमद वानी और शब्बीर अहमद भट को भी सम्मानित किया।

डकैत योगी गुर्जर ने किया सरेंडर

ग्वालियर। ग्वालियर से एक विवाहिता का दो महीने पहले अपरहण करने वाले डकैत योगेंद्र गुर्जर उर्फ योगी गुर्जर ने शनिवार को सरेंडर कर दिया। डकैत योगी ने धोलपुर पुलिस के सामने सरेंडर किया। योगी पर 30 हजार रुपये का इनाम था। अपहरण की वारदात के बाद से ग्वालियर-चंबल की पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। डकैत योगी गुर्जर ने दो महीने पहले ग्वालियर के तिघरा थाना क्षेत्र से करीब 15 किलोमीटर दूर गुर्जा गांव से रीना उर्फ अंजू गुर्जर का अपरहण कर लिया था। *एजेंसी*

पाकिस्तान की महिला की पीएम मोदी से गुहार

इंदौर। इंदौर में रह रहे पाकिस्तानी शरणार्थी विक्रम की शिकायत पाकिस्तानी महिला निकिता नागदेव ने की है। शिकायत सिंधी पंचायत में की गई लेकिन वहां भी समझौता नहीं हुआ। आरोप है कि उसके पति ने शादी के बाद उसे पाकिस्तान भेज दिया। वह उसे अटारी बार्डर पर छोड़ गया था। निकिता ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मदद मांगी है। महिला ने बताया कि 26 जनवरी 2020 में उसकी शादी पाकिस्तान में विक्रम नागदेव के साथ हुई थी। *एजेंसी*

245.1 के स्कोर के साथ 10 मीटर राइफल में स्वर्ण
झज्जर की सुरुचि ने जीता शूटिंग वर्ल्डकप

दोहा (भाषा)। प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि फोगाट ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया, जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की। दिन में पहले 10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया। दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

गांव सासरोली में 2006 में जन्मी पहलवानी से शूटिंग में आई

कंधे के फ्रैक्चर ने बदल दी दिशा

सुरुचि का जन्म 28 अप्रैल 2006 को झज्जर के सासरोली गांव में हुआ। पिता इंदर सिंह फोगाट आर्मी से रिटायर्ड हैं, वे चाहते थे कि उनकी बेटी पहलवानी करे, लेकिन 13 साल की उम्र में हुए कंधे के फ्रैक्चर ने उनकी दिशा बदल दी। यहीं से उन्होंने निशानेबाजी को अपनाया और गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी भिवानी में कोच सुरेश सिंह के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग शुरू की।

- चंडीगढ़ की संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता
- ओलंपिक विजेता मनु भाकर 179.2 के स्कोर के साथ 5वें स्थान पर रही
- सितंबर-अक्टूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर रही थी फोगाट

ये रही उपलब्धियां

- 2022 नेशनल चैंपियनशिप में 2 गोल्ड, 3 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल जीता
- 2023 खेलो इंडिया यूथ गेम्स मिक्स्ड टीम में गोल्ड
- 2023 एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल पर कब्जा
- 2023 जूनियर वर्ल्डकप में टीम ब्रॉन्ज मेडल
- 2025 आईएसएसएफ वर्ल्डकप में लगातार 3 स्वर्ण पदक जीते
- 2025 नेशनल गेम्स 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड मेडल कब्जाया

किलोई-पोंगली रोड पर सुबह के समय हादसा

रोहतक में सड़क हादसे में बाप और बेटी की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिले में शनिवार सुबह एक हृदय विदारक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें बाइक पर जा रहे पिता-पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा रोहतक के किलोई-पोलंगी रोड पर हुआ, जहां पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक (हाइवा) ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक ट्रक के नीचे घुस गई और भारी वाहन का पहिया दोनों के ऊपर से निकल गया। घटना के बाद दोनों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत अवस्था में मिले। हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन को सड़क पर ही छोड़कर फरार हो गया। मृतकों की पहचान सोनीपत के गांव मौजपुर फरमाना के रहने वाले जगदीप (52) और उनकी करीब 14 साल की बेटी दीक्षा के रूप में हुई। जगदीप 6 बेटियों के पिता थे। इनके परिजन को हादसे की सूचना दी गई है। पुलिस मामले में ट्रक के ड्राइवर को खोज रही है।

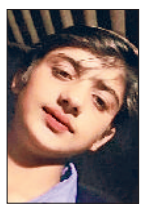

- बाइक पर जा रहे पिता-पुत्री को हाइवा ट्रक ने मारी टक्कर
- ट्रक का पहिया ऊपर से गुजरा, मौके पर दोनों की जान चली गई
- सोनीपत के गांव मौजपुर फरमाणा का रहने वाला था जगदीप

ट्रक के नीचे घुस गई बाइक

पुलिस के अनुसार, सोनीपत से सुबह ही पिता-पुत्री रोहतक के एक निजी अस्पताल में आने के लिए घर से निकले थे। दोनों बाइक पर सवार थे। जब उनकी बाइक रोहतक में गांव किलोई-पोलंगी रोड पर चल रही थी, इसी दौरान पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक आया। ट्रक ने जगदीप की बाइक को पीछे से टक्कर मारी, जिससे उनकी बाइक ट्रक के नीचे घुस गई। इसके बाद ट्रक का पहिया दोनों के ऊपर से निकल गया।

ड्राइवर ट्रक छोड़कर फरार

हादसे के वक्त मौके पर कोई नहीं था, इसलिए मौका देखकर ट्रक का ड्राइवर ट्रक वहीं छोड़कर भाग गया। इसके कुछ देर बाद जब लोग वहां पहुंचे तो उन्होंने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शव के टुकड़ों के जमा किया और उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतकों के पहचान उनके साथ मौजूद दस्तावेजों से हुई। इसके बाद उनके परिजन को हादसे की सूचना दी गई। अस्पताल पहुंचे परिजन के पुलिस ने बयान दर्ज किए। पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि ट्रक का ड्राइवर जल्द ही पकड़ा जाएगा।

इंडिगो की मनमानी पर ब्रेक...

- 500 किमी तक 7500 रुपये
- 500-1000 किमी तक 12,000 रुपये
- 1000-1500 किमी तक 15,000 रुपये
- 1500+ किमी तक 18,000 रुपये

800 से अधिक फ्लाइटें शनिवार को कैंसिल रही लोगों को भारी परेशानी

केंद्र का अल्टीमेटम, पैसेंजर्स का किराया वापस करो, 48 घंटे में लगेज लौटाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो संकट के बीच सरकार ने शनिवार को एयरलाइन्स के मनमाने किराए पर रोक लगा दी है। सरकार ने कहा कि सभी एयरलाइन्स फेयर कैप यानी अधिकतम किराया सीमा से ज्यादा कीमत पर टिकट नहीं बेच सकती। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह रविवार रात 8 बजे तक कैंसिल टिकट का पैसा पैसेंजर को वापस करें। सरकार ने बताया कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते। इस कदम का मकसद एयरफेयर में अनियमितता रोकना, बाजार में प्राइसिंग डिसिप्लिन बनाए रखना और संकट में फंसे यात्रियों का शोषण रोकना है। अब कोई भी एयरलाइन 500 किमी की दूरी तक 7500 रुपये, 500-1000 किमी तक 12 हजार रुपये से ज्यादा किराया नहीं ले पाएगी। वहीं, अधिकतम किराया 18 हजार रुपये तय किया गया है। हालांकि ये किराया सीमा बिजनेस क्लास के लिए लागू नहीं होगी।

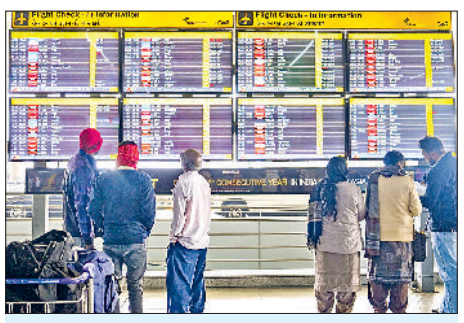

10 गुना तक कीमत पर मिल रहे थे टिकट

इंडिगो की फ्लाइट्स में बड़े पैमाने पर कैंसिलेशन और देरी के बाद फ्लाइट्स का किराए में उछाल देखने को मिला था। यात्रियों को ऑप्शनल फ्लाइट्स की तलाश में सामान्य से दस गुनी कीमत पर टिकट खरीदने पड़ रहे थे। बुकिंग साइट मेक माई ट्रिप के अनुसार, 6 दिसंबर को दिल्ली से बेंगलुरु की सबसे सस्ती फ्लाइट की कीमत 40,000 रुपये से ज्यादा है, जबकि कुछ फ्लाइट्स का किराया 80,000 रुपये तक हैं। दिल्ली से मुंबई की फ्लाइट का न्यूनतम किराया 36,107 रुपये और अधिकतम 56,000 रुपये है। वहीं दिल्ली-चेन्नई की देर रात की फ्लाइट्स का किराया 62,000 से 82,000 रुपये तक पहुंच गया।

निर्देश नहीं माने तो एक्शन

इसके साथ ही सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह रविवार रात 8 बजे तक सभी पेंडिंग पैसेंजर रिफंड वापस करे। पैसेंजर के लगेज भी 48 घंटे में लौटाए। इसके अलावा, सरकार ने दूसरी एयरलाइन से कहा कि वह तय हवाई किराए से ज्यादा ना लें। अगर निर्देशों को नहीं माना गया तो तुरंत एक्शन लिया जाएगा।

इंडिगो का बयान

इंडिगो के परिचालन में आ रही समस्याओं पर एयरलाइन की ओर से शनिवार को बयान जारी किया गया। इस बयान में इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन पूरे नेटवर्क में अपने परिचालन को पटरी पर लाने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। इंडिगो ने कहा, 'हमारी टीमें शेड्यूल को स्थिर करने, देरी को कम करने और इस दौरान ग्राहकों की मदद करने पर केंद्रित हैं। शनिवार को रद्दीकरण की संख्या 850 उड़ानों से नीचे आ गई है, जो कल की तुलना में काफी कम है।

साप्ताहिक आराम का आदेश वापस

केंद्र सरकार शुक्रवार को बैकफुट पर आ गई थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने एयलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी। वीकली रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया। इंडिगो का दावा है कि इस नियम की वजह से पायलटों और अन्य स्टाफ की कमी हुई थी और पूरा ऑपरेशन प्रभावित हुआ।

आम आदमी के लिए है सुप्रीम कोर्ट, मामलों की लागत कम होनी चाहिए : सीजेआई

लंबित मामलों का निपटारा करने की प्राथमिकता जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए है। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों को निपटाने के लिए एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति उनकी पहली प्राथमिकता है। सीजेआई ने ये भी कहा कि उनकी कोशिश है कि मुकदमेबाजी की लागत को कम किया जाए और मामले का फैसला होने के लिए एक समयसीमा तय की जाए। सीजेआई ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता एक तय समयसीमा और एक एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति बनाना है ताकि लंबित मामलों पर जल्द फैसला हो सके।

न्यायपालिका में अपग्रेड की जरूरत बताई

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका में अपग्रेड की जरूरत है क्योंकि डिजिटल अरेस्ट और साइबर अपराध जैसे मामलों से न्यायपालिका की चुनौतियां बढ़ी हैं। देश की न्यायपालिका में विविधता आ रही है और जैसे समाज और देश आगे बढ़ रहे हैं, वैसे ही न्यायपालिका में भी बदलाव हो रहे हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई...

अनिल अंबानी ग्रुप की 1120 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी अटैच

अब तक 10,117 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालन ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों की 1,120 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां अटैच की हैं। इसके साथ ही समूह के खिलाफ अब तक 10,117 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। ईडी के अनुसार, ताजा कार्रवाई में मुंबई के बॉलार्ड एस्टेट स्थित रिलायंस सेंटर, फिक्स डिपॉजिट , बैंक बैलेंस और अनलिस्टेड निवेश सहित 18 संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की गई हैं। इसके साथ ही रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की 7, रिलायंस पावर की 2 और रिलायंस वैल्यू सर्विसेज की 9 संपत्तियां भी फ्रीज की गई हैं। ईडी ने समूह की अन्य कंपनियों के एफडी और निवेश भी अटैच किए हैं, जिनमें रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फाई मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

◀ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में रखी गई नई बाबरी मस्जिद की नींव

लोग सिर पर ईंट रखकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

विधायक हुमायूं कबीर बोले कोई ताकत रोक नहीं सकती

एजेंसी ⏭ मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी।

- ईंट लेकर हजारों की संख्या में पहुंचे लोग

निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में इस मस्जिद की आधारशिला रखी। हुमायूं कबीर ने मस्जिद की आधारशिला कार्यक्रम के मंच पर मौलवियों के साथ समारोह का फीता काटा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर 'नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर' के नारे लगाए गए। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ

आधारशिला रखने के समारोह के लिए कबीर ने 6 दिसंबर का दिन चुना, जो अयोध्या की बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ है। हुमायूं कबीर ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह को बाधित करने की साजिश रची जा रही है। कबीर ने दावा किया कि 2026 के चुनावों में 90 विधानसभा क्षेत्रों से मुस्लिम उम्मीदवार विजयी होंगे।

हरिभूमि- आईएनएच- जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी को दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

मप्र, छग एवं हरियाणा की कई हस्तियों ने किया याद, कैप्टन अभिमन्यु बोले-स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का सामाजिक दायरा बहुत बड़ा था

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

हरिभूमि-आईएनएच- जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी स्व.श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का 25 नवंबर को देवलोक गमन होने के बाद से ही उनके यहां श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

शनिवार को भी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा सहित कई राज्यों की बड़ी हस्तियां डॉ. हिमांशु द्विवेदी के यहां ग्वालियर स्थित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी, पूजा व गंगा प्रसादी में शामिल हुईं। इस मौके पर स्व.श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का स्मरण करते हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि स्व. पंडित कीर्ति नारायण एक महान समाज सेवी थे। उनका समाज सेवा का दायरा काफी बड़ा था। जो भी उनके संपर्क में आया वो उनका सेवाभाव देखकर हैरान रह गया। मैं खुद भी उनसे कई बार मिला हूं, उनकी व्यवहार कुशलता को देखकर काफी प्रभावित हुआ। उनका व्यक्तित्व ही उनके कोमल हृदय और संवेदनशीलता के प्रति स्वतः इशारा कर देने वाला था। वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष व विधायक धर्मलाल कौशिक ने कहा कि दिव्य आत्मा को मैं कोटि-कोटि नमन करता हूं और ईश्वर से कामना करता हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए

परिवार जैसा स्नेह देना ही उनका स्वभाव था

कौशिक ने कहा कि उनकी सरलता और सभी अपने परिवार जैसा स्नेह देना ही उनका स्वभाव था। वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके पुण्य कर्म और उनका बताया गया रास्ता हम सबके लिए हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। इसी तरह मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गी, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, खाद्य मंत्री ⏭ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

नशीली गोलियों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने नशीली गोलियों के साथ दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगसीर सिंह पुत्र भूप सिंह तथा गुरप्रीत उर्फ जोनी पुत्र गुरदेव निवासी नाली मोहल्ला, रतिया के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी अश्विनी उर्फ आशु को काबू किया और उसकी तलाशी लेने पर 120 नशीली गोलियां बरामद हुई।

चलती कार से निकला धुआं, उतरकर बचाई जान

फतेहाबाद। जाखल में शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। हिसार के आदमपुर से मोहाली जा रहे एक परिवार की स्विफ्ट कार में अचानक तेज धुआं निकलने लगा। जाखल-तलवाड़ा रोड पर यह घटना हुई। कार मालिक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोक दी और परिवार को बाहर निकाल लिया। गाड़ी में कार मालिक, उसकी पत्नी और बेटा सवार थे। राहगीरों की मदद से डायल 112 और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत काबू पा लिया।

एलएलबी, सीए और बीकॉम छात्रों का चोर गिरोह पकड़ा

गुरुग्राम। गुरुग्राम में क्लब पार्टी करने का शौक पूरा करने के लिए एलएलबी, सीए और बीकॉम की पढ़ाई कर रहे चार दोस्तों ने चोर गिरोह बना लिया। वे रात के समय कार में औजार लेकर निकलते और घर के बाहर खड़ी कारों के टायर चोरी करते और ईंटों पर खड़ी करके भाग जाते थे। क्राइम ब्रांच सेक्टर-43 की टीम ने चारों को पकड़ लिया है। जिसकी पहचान ऋषिकेश निवासी मकान नंबर-662 नजदीक लाल कुआं दुर्गा मंदिर के पीछे सेक्टर-39 गांव झाड़सा, अर्जुन जिला झज्जर, पीयूष राणा निवासी जोधपुर और तुषार कुमार जिला मुंगेर बिहार वर्तमान में पुरानी कचहरी झाड़सा में किरायेदार के रूप में हुई है।

- रात में कारों के टायर निकालते थे, ईंटों पर खड़ी कर भाग जाते

क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर 38.5 लाख की ठगी खाताधारक धरा

फरीदाबाद। क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर 38,54,000 रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल कि टीम ने एक खाताधारक को हरकिशन नगर दिल्ली से गिरफ्तार किया है। सेक्टर 86 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसके पास फेसबुक पर एक लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आईए उनकी फोन पर बात होने लगी। कथित लड़की ने उसे क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। जिस पर उसने अलग-अलग ट्रांजेक्सन के जरिये क्रिप्टोकरेंसी में कुल 38,54,000 रुपये निवेश किये लेकिन उसे कोई पैसा वापस नहीं मिला। शिकायत पर साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया।

- निवेश के नाम पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया

रात का पारा कई जिलों में 4 से 5 डिग्री तक पहुंचा

पाला पड़ने से सब्जी की फसलों को बड़ा नुकसान उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से प्रदेश में ठिठुरन बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पौह माह की शुरुआत के साथ ही इस बार ठंड बढ़ गई है। शनिवार सुबह खेतों और घास पर पाले की सफेद परत जमी दिखाई दी। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम 7 डिग्री दर्ज किया गया। दरअसल पाले की शुरूआत दिसंबर महीने के अंत में होती रही है। इस बार एक महीना जल्द पड़ने से कृषि विशेषज्ञ हैरान है। बागवानी की फसलों को इससे खासा नुकसान बताया जा रहा है। शीत लहर के कारण सब्जी की फसलें संवेदनशील हो सकती हैं। गोभी, फूलगोभी, टमाटर और हरी मिर्च जैसी फसलें अधिक ठंड के कारण नुकसान झेल सकती हैं। वहीं, गेहूं की फसल के लिए ठंड लाभकारी है। रविवार को हल्के बादल छाने की संभावना है, जिसके बाद ठंड और बढ़ सकती है।

फतेहाबाद। पाला जमने के चलते किसानों द्वारा कवर की गई सब्जी की फसल।

2500 एकड़ में की जा रही है सब्जियों की खेती

जिले के विभिन्न हिस्से में बड़े पैमाने पर सब्जियों की खेती की जाती है। इसी बैल्ट में सबसे ज्यादा ठंड पड़ती है। पुराना हिसार जिले के नाम से मशहूर हिसार, सिरसा व फतेहाबाद में तापमान माइनस के बराबर आ जाता है। यानि भीषण सर्दी में यहां का तापमान 1 से 3 डिग्री के बीच घूमता है। जिलेभर में करीब 2500 एकड़ में सब्जियों की खेती की जा रही है। इसमें विभिन्न प्रकार की सब्जियां शामिल है, जिसमें पालक, गोभी, टमाटर, बैगन, प्याज, मूली, हरा धनिया सहित विभिन्न प्रकार की सब्जियां शामिल है।

फसलों की देखरेख नियमित करना जरूरी

आने वाले दिनों में धुंध गहराने की आशंका है, जिसका असर पतेदार सब्जियों पर पड़ेगा। इससे बचने के लिए किसानों को फसलों की निगरानी नियमित रूप से करना चाहिए। फसलों में पानी थोड़ा-थोड़ा लगाते रहना चाहिए। इससे धुंध का प्रभाव कम होगा। कोई दिक्कत होने पर विभाग के नजदीकी कार्यालय में संपर्क करें। पाला पडने की सूरत में धुंआ करके फसलों को बचाया जा सकता है। -डॉ. श्रवण, जिला बागवानी अधिकारी फतेहाबाद।

भावड़ दोहरे हत्याकांड में पूनम को प्रोडक्शन वारंट पर लाएगी पुलिस, सीन रिक्रिएट करेगी

साइको किलर पूनम किसी और को गोद नहीं लेने देती थी अपना छोटा बेटा

हत्या के पीछे के कारणों और घटनाक्रम से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाएंगे

सीरियल किलिंग जैसे पैटर्न की जांच भी होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत/गोहाना

चार मासूम बच्चों की पानी में डूबोकर हत्या करने वाली गांव भावड़ की पूनम को बरोदा थाना की पुलिस 16 दिसंबर को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करेगी। इसके लिए पुलिस ने न्यायालय में अर्जी लगाई थी जिसे स्वीकृत कर लिया गया। पूनम ने जनवरी 2023 में गांव में बेटे व भांजी की हत्या की थी, जिसको लेकर पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेगी। पुलिस उससे हत्या के पीछे के कारणों और घटनाक्रम से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाएगी। यब भी सामने आया है कि दो साल में 4 बच्चों को पानी में डुबोकर मारने वाली 32 साल की पूनम के साइको किलर बनने की कहानी काफी अजीब है।

छोटे-छोटे मुद्दों पर झगड़ा करती थीः पति

पानीपत के सिवाह गांव की पूनम की साल 2019 में सोनीपत के नवीन के साथ शादी हुई। नवीन ने बताया कि पूनम कभी मानसिक रोगी नहीं लगी, हालांकि वह पहले बेटे की मौत के बाद अक्सर रूठकर मायके चली जाती थी, लेकिन किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि वह इस हद तक जा सकती है। माता-पिता से छोटे-छोटे मुद्दों पर झगड़ा करती थी पर छोटे बेटे की देखभाल में हमेशा खुद को व्यस्त दिखाती थी। छोटे बेटे को कोई गोद में ले ले तो उसे बर्दाश्त नहीं होता था। उस समय हम मानते थे कि बेटे की मौत के गम में ऐसा हो रहा है। बता दें कि साल 2019 में नौल्था के रिश्तेदार ने नवीन का रिश्ता पूनम से तय कराया। पूनम एमए पास थी। शादी के बाद सोनीपत से बीएड किया।

युवक की आत्मा आने की बात से हतप्रभ

नवीन ने बताया कि वह काम पर जाता था तो पीछे से घर में आग लगने की घटनाएं शुरू हो जाती थी। एक बार पूनम ने अपने अंदर पड़ोसी युवक की आत्मा आने और दो बच्चों की हत्या की बात कही थी। लेकिन परिवार ने माना कि सदमें में ऐसी बातें कर रही है। नवीन बताते हैं कि पूनम आम दिनों में मोबाइल पर अपनी मां से घंटों बात करती थी। इस बात को लेकर कभी-कभार घर में मामूली बहस होती थी, लेकिन परिवार का जीवन 2022 तक ठीक-ठाक चलता रहा। पूनम ने 12 जनवरी 2023 को अपने 3 साल के बेटे शुभम और भांजी इशिका को पानी की हौद में डुबोकर मार डाला था।

अब शिकंजा कसने की तैयारी में अधिकारी

गांव भावड़ में पौने तीन साल पहले अपने बेटे शुभम और भांजी इशिका की हत्या के मामले में पूनम पर अब आधिकारिक रूप से शिकंजा कसने की तैयारी है। पति नवीन ने बरोदा थाना में पूनम के खिलाफ अपने बेटे शुभम और भांजी इशिका की हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी। इन दोनों बच्चों की मौत 12 जनवरी, 2023 को गांव भावड़ में हुई थी। तब परिवार ने पोस्टमार्टम तक नहीं कराया था। पूनम पर आरोप है कि उसने घर में मौजूद पानी स्टोरेज टैंक में पहले भांजी इशिका को डुबोया और पकड़े जाने के डर से उसके एक घंटे बाद बेटे शुभम को डुबोकर मौत के घाट उतार दिया था। पानीपत में विधि की हत्या का खुलासा होने के बाद यह पुरानी वारदात भी उजागर हो गई थी।

हर पहलू से जुड़े जवाब खोजे जाएंगे

अदालत से प्रोडक्शन वारंट मंजूर होते ही पूनम को रिमांड पर लेकर हर पहलू से जुड़े जवाब खोजे जाएंगे। वारदात का सीन रिक्रिएट कर साक्ष्यों को मजबूत किया जाएगा। सभी घटनाओं के बीच संबंध भी खंगाला जाएगा।
- एसीपी राहुल देव, गोहाना

टैंक की जांच होगी

पूनम को घटनास्थल ले जाकर सीन रिक्रिएट करना जरूरी है। जांच के दौरान घर के उस पानी स्टोरेज टैंक की गहन जांच होगी जहां दोनों बच्चों के शव मिले थे। वारदात की सटीक टाइमलाइन तय की जाएगी। वारदात के समय की पूनम की मानसिक स्थिति का आकलन किया जाएगा। टीम पहले ही घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटा चुकी है, जिन्हें पूनम की निशानदेही से और मजबूत किया जाएगा।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

2 महिला कॉलर सहित 5 लोग धर दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर पुलिस ने दो महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विकास नगर नांगलोई दिल्ली स्थित एक फर्जी कॉलसेंटर का भंडाफोड करते हुये क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी करने के एक मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने 2 महिला सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर 64 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 19-20 नवंबर को उसके पास एक अंजान नंबर से कॉल आया, जिसने अपना परिचय कोटक महिन्द्रा बैंक के कर्मचारी के रुप में दिया। ठगो ने उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर ओटीपी प्राप्त कर लिया। जिसके अपरांत शिकायतकर्ता के क्रेडिट कार्ड से कुल 53753 रुपये कट गये। जिस संबंध में साइबर थाना बल्लभगढ़ में ठगी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। बल्लभगढ़ की टीम ने कोमल, आदित्य, लोकेश, राजेंद्र व तरुण निवासी दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
विज्ञापन सं.: R/14/2025 दिनांक नवंबर 21, 2025
संस्थान डॉ. बी. सी. रॉय मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल रिसर्च सेंटर के लिए निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों, पीआईओ, ओसीआई से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
1. प्रोफेसर और संकायाध्यक्ष 01 (पद)
विस्तृत विवरण एवं अद्यतन जानकारी के लिए देखें:
https://erp.iitkgp.ac.in/Jobs/auth/facapps.htm
ऑनलाइन एप्लीकेशन जमा करने की आखिरी तारीख: 22.12.2025
CBC 21255/12/0019/2526
कुलसचिव/ Registrar

DISHA INDIAN AIR FORCE
JOIN THE INDIAN AIR FORCE
AFCAT 01/2026 Registrations are open till 14 Dec 2025

ENTRY	BRANCHES
AFCAT Entry	Flying/ Technical/ Weapon Systems/ Administration/ Logistics/ Accounts/ Education/ Meteorology
NCC Special Entry	Flying (NCC Air Wing 'C' certificate is mandatory)

- Online test only for AFCAT entry
- Aadhaar card is mandatory for online registration
- Registration dates changed from 10 Nov-09 Dec 2025 to 17 Nov-14 Dec 2025
- For more details, refer to Employment News dated 08 Nov 2025 and for detailed notification visit our website careerairforce.gov.in and afcat.edcil.co.in

Online registration through careerairforce.gov.in and afcat.edcil.co.in
For updates, follow us on
'DISHA' Cell, Air Headquarters, Vayu Bhawan, Motilal Nehru Marg, New Delhi - 110106 Tel: 011-23013690 | Toll-free No.: 1800-11-2448 | E-mail: careeriniaf@gmail.com
CBC 10801/13/0024/2526

संसद भवन के बाहर संसदीय मंत्री से टकराए नेता प्रतिपक्ष

रिजिजू ने कहा- 'थोड़ा डर गया मैं', दोनों ने मिलाया हाथ व हंसी-मजाक भी किया

संसद के बाहर रिजिजू और राहुल ने मिलाया हाथ और विनोद किया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को संसद में श्रद्धांजलि दी। जब वे श्रद्धांजलि देकर संसद से बाहर निकल रहे थे तब उनकी मुलाकात केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजूजू से हो गई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दोनों नेता हंसी-मजाक करते और हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में केंद्रीय मंत्री रिजिजू मजाकिया लहजे में राहुल गांधी से कहते हुए सुने जा सकते हैं, 'थोड़ा डर गया मैं।' नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ में इस दौरान कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला और उदित राज भी मौजूद थे। यह मुलाकात तब हुई जब दोनों संसद में डॉ. आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। श्रद्धांजलि के बाद राहुल ने कहा कि आंबेडकर जी एक आदर्श पुरुष हैं। उन्होंने हमें संविधान दिया। हर भारतीय का संविधान खतरे में है, हम इसकी रक्षा करते हैं।

शनिवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को संसद में श्रद्धांजलि दी

पीएम मोदी, राष्ट्रपति समेत दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

संसद भवन में राष्ट्रपति, पीएम और अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि दी

उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता देश का मार्गदर्शन करती रहेगी: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने संसद भवन में बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने लिखा, महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब को याद करते हुए। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संवैधानिकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने पीढ़ियों को मानवीय गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। उनके आदर्श हमारे मार्ग को प्रकाशित करते रहें, क्योंकि हम एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं।

देशभर में आंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि

देशभर में आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई। आंबेडकर ने संविधान की रचना कर देश को लोकतंत्र की मजबूत नींव दी। वेसामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। खासकर जब हम संविधान की मूल भावना- समान अधिकार और स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने की बात करते हैं।

आंबेडकर ने पूरे देश को रास्ता दिखाया: राहुल

राहुल गांधी ने कहा आंबेडकर पूरे देश के आइकॉन हैं और उन्होंने पूरे देश को रास्ता दिखाया है। उन्होंने हमें संविधान दिया, तो इसलिए हम उनको याद करते हैं। जो उनके आइडिया हैं और संविधान की रक्षा करते हैं।

उनके आदर्श हमारे पथ को रोशन करते रहें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आंबेडकर का दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता एवं संवैधानिकता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनके आदर्श हमारे पथ को निरंतर रोशन करते रहें।

सभी को मिलकर अगले 10 वर्षों में देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना होगा: पीएम मोदी

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से अगले 10 वर्षों में देश को गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त करने का शनिवार को आग्रह किया और कई वर्षों की सुस्त आर्थिक विकास को हिंदू विकास दर बताकर पूरी सभ्यता को बदनाम करने की कोशिश करने वाले ''तथाकथित बुद्धिजीवियों'' पर निशाना साधा। मोदी ने यहां 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में कहा कि जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी हुई है, भारत आत्मविश्वास से लबरेज है और वैश्विक मंदी के दौर में विकास की कहानी लिख रहा है। कोई भी देश आत्मविश्वास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है और आज हर क्षेत्र औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है तथा गर्व के साथ नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

भारत आत्मविश्वास से भरा

पीएम मोदी ने कहा कि भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है। जब आर्थिक मंदी की बात होती है, तब भारत विकास की गाथा लिखता है। जब दुनिया में विश्वास की कमी होती है, तब भारत भरोसे का स्तंभ बनता है, जब दुनिया बिखराव की ओर बढ़ रही है, तो भारत सेतु बन रहा है।

परीक्षा पे चर्चा का नौवां संस्करण जनवरी में, पंजीकरण शुरू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी-26) के नौवें संस्करण का आयोजन अगले जनवरी महीने में किया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्कूली छात्रों के साथ सीधा संवाद करेंगे और परीक्षा के दौरान उन्हें तनाव कम करने, परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाने और जीवन का एक भाग समझते हुए आगे बढ़ने के गुरु मंत्र देंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पीपीसी में 6 से 12वीं कक्षा तक के छात्र, उनके अभिभावक और शिक्षक देश-दुनिया से भाग लेंगे।

जिसके लिए मंत्रालय ने माय गाव ऑनलाइन पोर्टल () पर 1 दिसंबर से 11 जनवरी 2026 तक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है। प्रधानमंत्री से रूबरू होने वाले छात्रों के चयन के लिए ऑनलाइन एमसीक्यू आधारित प्रतियोगिता होगी।

नेशनल हेराल्ड मामला

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने पुलिस के नोटिस को 'उत्पीड़न' बताया

भाषा ▶▶| बेंगलुरु

- मामले से संबंधित जानकारी होने की संभावना

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले की जांच के तहत वित्तीय और लेनदेन संबंधी विवरण मांगने के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस को शनिवार को "उत्पीड़न" करार दिया और कहा कि वह इसे कानूनी रूप से चुनौती देंगे। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने इस कदम की निंदा करते हुए सवाल किया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुका है, तो अलग से पुलिस जांच की क्या जरूरत है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि शिवकुमार के पास 'नेशनल हेराल्ड' मामले से संबंधित "महत्वपूर्ण जानकारी होने की संभावना है।" इस साल अक्टूबर को सोनिया और राहुल के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया था।

सिंगापुर में सिंगर की गई थी जान

जुबिन मौत मामले की जांच लगभग पूरी, 12 को दाखिल होगा आरोप पत्र

भाषा ▶▶| गुवाहाटी

- इस मामले में अब तक सात गिरफ्तारियां की गई

गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच लगभग पूरी हो गई है और 12 दिसंबर को आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। असम पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों मृत्यु हो गई थी। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जांच लगभग पूरी हो चुकी है। आरोप पत्र में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। जुबिन मौत मामले की जांच कर रहे विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे गुप्ता ने कहा कि अब तक सात गिरफ्तारियां की गई हैं और 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई है। उन्होंने विस्तृत ब्योरा देने से इनकार करते हुए कहा कि आरोप पत्र दाखिल होने के बाद ही अधिक जानकारी प्रदान की जा सकेगी।

पतंजलि योगपीठ और रूस सरकार में ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- भारत की संस्कृति तथा ऋषियों की धरोहर को रूस लेकर जाएंगे

पतंजलि समूह तथा रूस सरकार के मध्य दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए जिसमें पतंजलि समूह की ओर से स्वामी रामदेव जी तथा मॉस्को सरकार (रूस) की ओर से भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूस के वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि यह एमओयू स्वास्थ्य एवं वेलनेस का संवर्धन, स्वास्थ्य पर्यटन, कुशल मानव संसाधन का आदान-प्रदान तथा अनुसंधान आदि विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि रूस में योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को लोग पसंद करते हैं तथा इनका अनुसरण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम हमें ऋषियों की इस वैलनेस विधा को पूरे विश्व के लगभग 200 देशों में पहुँचाना है जिसका एण्ट्री प्वाइंट रूस ही होगा। इस एमओयू के पहला महत्वपूर्ण बिन्दु रूस में पतंजलि की वैलनेस सेवाओं का विस्तार करना है। हम रूस के साथ मिलकर उम्र को रिवर्स करने, दीर्घायु प्राप्त करने पर गहन अनुसंधान करेंगे जिससे गम्भीर रोगों का मानव शरीर में आने से वर्षों पहले ही पता किया जा सकेगा। इसका दूसरा बिन्दु भारत के आध्यात्मिक ज्ञान, संस्कृति, योग, आयुर्वेद तथा भारत की अमूल्य धरोहरों से संबंधित ज्ञान को रूस के साथ साझा करना है। इसके लिए हम भारत की संस्कृति तथा ऋषियों की धरोहर को रूस लेकर जाएंगे।

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी

स्मृति शेष

प्रार्थना सभा व गंगा प्रसादी आयोजन

भावपूर्ण अश्रुओं और जीवन दर्शन के 'भजनों से स्मृतियां' संजोई

एक भावपूर्ण दिन.... स्वर्गीय पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का त्रयोदशी संस्कार, प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी का आयोजन ग्वालियर स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स के भवन में सुबह 11:30 बजे से रखा गया था। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी गणमान्य लोगों ने पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सामाजिक अवदान को याद किया। इस दौरान भजन संगीत के माध्यम से जीवन की सार्थकता का संदेश भी दिया गया। पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी हरिभूमि, आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताश्री थे। श्रद्धांजलि सभा में सभी दिग्गजों ने पंडित द्विवेदी जी की सत्य निष्ठा और तप निष्ठा को याद कर उनकी पुण्य स्मृतियों को संजोया।

पुष्पांजलि

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने इस मौके पर डॉ. हिमांशु द्विवेदी के परिवारजनों से मिलकर उनको ढांढस बंधाया।

पूजा अर्चना

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के बड़े बेटे डॉ. हिमांशु ने त्रयोदशी के मौके पर पुण्य आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना की।

इन हस्तियों ने जताई संवेदनाएं

हरिभूमि-आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमाशु द्विवेदी के यहां विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शोक व्यक्त किया।

भजनों के माध्यम से पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई

छग के पूर्व विस अध्यक्ष भी पहुंचे

छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक और भाजपा के वरिष्ठ नेता सौदान सिंह डॉ. हिमांशु और उनकी माता जी श्रीमती रमा द्विवेदी से मिलकर उनको सांत्वना देते हुए।

श्रद्धासुमन

छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ग्वालियर पहुंचे और वहां स्व.कीर्ति नारायण द्विवेदी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

खाद्य मंत्री ने दुख जताया

मप्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने डॉ. हिमांशु और परिवार से मिलकर अपनी शोक संवेदना जताई।

पारिवारिक रीति रिवाज

इस दौरान पारिवारिक रीति रिवाजों का पालन किया गया। डॉ. हिमांशु के परिजन और रिश्तेदार मौजूद रहे।

ढांढस बंधाया

डॉ. हिमांशु द्विवेदी को ढाढस बंधाते हुए गणमान्य वरिष्ठजन।

दिनभर रहा आना-जाना

ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने वाले शुभचिंतक एवं रिश्तेदारों का दिन भरआना जाना लगा रहा।

हाल-चाल भी लिया

डॉ. हिमांशु और उनके परिजनों से आगंतुकों ने हालचाल भी जाना

शोक संवेदना

मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री व भाजपा की वरिष्ठ नेत्री माया सिंह और पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह

परंपरा निर्वहन

परंपरा के अनुसार त्रयोदशी के मौके पर पूजा व गंगा प्रसादी का आयोजन किया गया। इसके बाद ब्राह्मण भोज हुआ। डॉ. हिमांशु ने विधि विधान से परंपराओं को पूर्ण कराया।

प्रार्थना सभा में भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रार्थना सभा के दौरान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉ. हिमांशु के परिजन, रिश्तेदार सहित दूर दराज से आए गणमान्य नागरिकों ने प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी के आयोजन में भाग लिया। विशिष्टजनों ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में अपने विचार रखे।

खबर संक्षेप

सिंगर राठौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

इलाहाबाद। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र

टिप्पणी से जुड़े एक मामले में भोजपुरी सिंगर और यूट्यूबर नेहा सिंह राठौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। नेहा सिंह राठौर की अप्रैल में की गई टिप्पणी को लेकर इस साल की शुरुआत में लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था।

विधायक राहुल की गिरफ्तारी पर रोक

तिरुवनंतपुरम। केरल उच्च न्यायालय ने कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को गिरफ्तार से अंतरिम राहत दे दी है। राहुल ममकूटाथिल पर दुष्कर्म और जबरन गर्भपात कराने का आरोप है। जस्टिस के बाबू ने कहा कि वे 15 दिसंबर को राहुल ममकूटाथिल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेंगे, तब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाएगी।

भाजपा सांसद तिवारी ने किया ऐलान
तैयारी हो गई पूरी

हम संसद में लाएंगे प्राइवेट बिल, अब 14 साल के किशोर पर चलेगा मुकदमा, इससे जघन्य अपराधों पर लग सकेगी लगाम

दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि वह किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत जघन्य अपराधों के लिए किशोर की आयु सीमा घटाकर 14 वर्ष करने का प्रस्ताव रखेंगे। वह लोस में निजी विधेयक पेश करके इस प्रस्ताव को पेश करने की योजना बना रहे हैं। सर्वेक्षण से पता चलता है कि 15-17 साल के बच्चे जघन्य अपराधों में शामिल हो रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि वह किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत जघन्य अपराधों के लिए किशोर की आयु सीमा घटाकर 14 वर्ष करने का प्रस्ताव रखेंगे। वे लोकसभा में एक निजी विधेयक पेश करके इस प्रस्ताव को पेश करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 17 साल तक के बच्चों को किशोर माना जाता है और उनके लिए हमारा कानून किशोर न्याय अधिनियम 2015 है।

एक भी सर्वेक्षण से पता चलता है कि 15-17 साल के बच्चे जघन्य अपराधों में शामिल हो रहे हैं। हम किशोर आयु को घटाकर 14 साल करने का प्रस्ताव रखना चाहते हैं क्योंकि मुझे ऐसे कई उदाहरण मिले हैं जहां एक किशोर तीन हत्याओं के लिए जिम्मेदार था। सांसद तिवारी ने कहा कि दिल्ली में अपराधों में कई किशोर भी शामिल रहे।

आयु सीमा घटाने का लाएंगे प्रस्ताव

लोकसभा में जल्द पेश करेंगे विधेयक

उम्र के लिहाज से नहीं बचने चाहिए अपराधी

उन्होंने कहा कि वह सुधार केंद्र गया, वापस आया और फिर भी हत्या कर दी। इस पर निश्चित रूप से विचार किया जाना चाहिए। काफी सोच-विचार के बाद, मैं इस मुद्दे को एक निजी विधेयक के जरिए पेश करने जा रहा हूं। मैं अपने निजी विधेयकों के लिए हमेशा बहुत जरूरी मुद्दों की तलाश में रहता हूं और यह उनमें से एक है। हम नहीं चाहते कि अपराधी सिर्फ पंद्रह, सोलह या सत्रह साल की उम्र में ही जघन्य अपराध करके बच निकलें। इसलिए, मैं प्रस्ताव करता हूं कि उम्र घटाकर चौदह साल कर दी जाए।

राहुल के बयान पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार

देश में संविधान नहीं, कांग्रेस खतरे में है

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की हालिया 'संविधान खतरे में है' टिप्पणी पर तीखा पलटवार किया। अठावले ने कहा कि गांधी के दावे निराधार और तथ्यहीन हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान खतरे में नहीं है, बल्कि कांग्रेस पार्टी खतरे में है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि संविधान खतरे में नहीं है, खतरे में कांग्रेस पार्टी है। मैं नहीं मानता कि हमारे संविधान को कोई खतरा है। वास्तव में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसे और मजबूत किया जा रहा है। अठावले ने कहा कि राहुल गांधी के बयान निराधार और तथ्यहीन हैं। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का यह बयान तब आया जब राहुल गांधी ने महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि प्रत्येक भारतीय का संविधान खतरे में है।

बजट पूर्व वित्त मंत्री ने कहा बड़ा सुधार होगा

अब कस्टम ड्यूटी को आसान बनाने पर फोकस किया जा रहा

अगले साल 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट से पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सीमा शुल्क यानी कस्टम ड्यूटी को आसान बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार कार्यक्रम होगा। वित्त मंत्री ने शनिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में सरकार ने इनकम टैक्स और जीएसटी रेट को तर्कसंगत और आसान बनाने जैसे सुधार किए। इससे आम आदमी के हाथ में ज्यादा नकदी आई और उपभोग बढ़ा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा कि हमें सीमा शुल्क का पूरी तरह कायापलट करना है। हमें इसे इतना आसान बनाना है कि लोगों को नियमों का पालन करना बोझिल न लगे। इसके साथ ही इसमें पारदर्शिता बढ़ानी होगी।

सीमा शुल्क में भी पारदर्शिता की जरूरत

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि इनकम टैक्स में जैसी पारदर्शिता लाई गई है, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत है। प्रस्तावित सुधार व्यापक होंगे और इसमें सीमा शुल्क दरों को तर्कसंगत बनाना भी शामिल होगा। इसकी घोषणा आगामी बजट में हो सकती है, जिसके 1 फरवरी को पेश होने की संभावना है। सीतारमण ने कहा कि पिछले दो साल में हमने सीमा शुल्क दरें लगातार कम की हैं। लेकिन जिन कुछ वस्तुओं पर हमारी दरें इष्टतम स्तर से ऊपर मानी जाती हैं।

इससे डॉलर के मुकाबले अपने सहज स्तर पर पहुंचेगा रुपया

इस साल के बजट में अन्य उपायों के साथ औद्योगिक वस्तुओं पर सात अतिरिक्त सीमा शुल्क दरें खत्म करने का प्रस्ताव किया गया था। इससे पिछले साल भी 7 दरें हटाई गई थीं। अब कुल 8 दर स्लैब रह गए हैं, जिनमें शून्य दर भी शामिल है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने पर वित्त मंत्री ने कहा कि यह अपने सहज स्तर पर पहुंच जाएगा। वर्ष 2025 में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत कमजोर हुआ है।

पुरी में ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट में केंद्रीय मंत्री जोशी बोले

देश में नॉन-फॉसिल ऊर्जा क्षमता वृद्धि का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ पुरी

केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि भारत ने 2025-26 में नॉन-फॉसिल ऊर्जा क्षमता वृद्धि का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। इस वर्ष अब तक 31.25 गीगावाट नॉन-फॉसिल क्षमता जोड़ी गई है, जिसमें 24.28 गीगावाट सिर्फ सौर ऊर्जा शामिल है। पुरी में ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट में उन्होंने घोषणा की कि ओडिशा में 1.5 लाख रूफटॉप सोलर यूनिट्स युटिलिटी-एग्रीगेशन मॉडल के तहत लगाई जाएंगी।

भारत में 5वां सबसे बड़ा कोयला भंडार वाला देश

जोशी ने कहा कि भारत विश्व के 5वां सबसे बड़े कोयला भंडार वाला देश है और कोयले का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। देश नवीकरणीय ऊर्जा और कोयले के बीच संतुलन बनाया गया है ाते हुए ऊर्जा संक्रमण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गुजरात में संसद खेल महोत्सव का सफलतापूर्वक समापन

खेल क्रांति सबसे बड़ा आंदोलन और मजबूत मंच बन गया: शाह

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में 'संसद खेल महोत्सव 2025' का केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने समापन किया। शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह खेल उत्सव देशभर में खेल प्रतिभाओं के लिए एक मजबूत मंच बन गया है। करीब 5 वर्ष पहले शुरू किए गए इस महोत्सव ने आज 300 से अधिक लोकसभा क्षेत्रों में औसतन सवा लाख प्रतिभागियों को जोड़ दिया है, जिनमें विद्यार्थी, युवा और वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल ने खेल, फिटनेस और स्वास्थ्य को लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनाने, प्रतिभाओं को पहचान देने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई है।

3 चरणों में किया गया आयोजन

शाह ने बताया कि यह तीसरा खेल महोत्सव तीन चरणों में आयोजित किया गया। विधानसभा स्तर और 21 नवंबर से 2 दिसंबर तक लोकसभा स्तर पर। इस बार 1 लाख 57 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 87 हजार पुरुष और करीब 70 हजार महिला खिलाड़ी शामिल थीं। 1 लाख 57 हजार प्रतिभागियों में से 8,500 से अधिक विजेता बने। उन्होंने कहा कि अंडर-9, अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17, ओवर-40, ओवर-50 और ओवर-60 इन सात आयु वर्गों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

सास की हत्या, काटे पैर और नाती को भी मारा

उदयपुर। जिले के सलूंबर उपखंड के सेमारी इलाके में गुड़ासर गांव के पास जहात फलां में सो रही बुजुर्ग महिला और उसके पांच वर्षीय नाती की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। आरोपी दामाद फिलहाल फरार है। गौरी और उसका नाती सुरेंद्र कमरों के बाहर बने हॉल में सो रहे थे। रात में बदमाशों ने धारदार हथियार से दोनों पर हमला किया।

बाबा साहेब की हर मूर्ति के पास दीवार बनेगी

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब की मूर्तियों के साथ अक्सर शरारती तत्व छेड़छाड़ करते हैं। हमारी सरकार निर्णय ले रही है कि बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनाई जाए, ताकि उनकी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो। जिस मूर्ति के ऊपर छत नहीं होगी, वहां छत बनवाएंगे। मैं बाबा साहब की पावन स्मृति को नमन करता हूं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

परिवार जैसा स्नेह देना ही उनका स्वभाव था

गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पुण्यात्मा को नमन करते हुए उन्हे पुष्पांजलि अर्पित की है। इसके साथ पूर्व मंत्री माया सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता आशीष अग्रवाल भी लंबे समय तक मौजूद रहे। ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा एवं गंगा प्रसादी के साथ ब्रह्माणों को भोजन कराया गया और परंपरानुसार हवन पूजन किया गया। इस दौरान देर रात तक शुभचिंतकों, जनप्रतिनिधि एवं समाज सेवियों का देर रात तक तांता लगा रहा।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT
GOVERNMENT OF INDIA

"प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लगभग 3.5 करोड़ युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगी।"
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

रोजगार या कारोबार
साथ है भारत सरकार

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना

3.5 करोड़+
रोजगार सृजन को प्रोत्साहन

पहली बार नौकरी पाने वाले युवाओं के लिए लाभ
» ₹15,000 तक का प्रोत्साहन दो किस्तों में

नौकरी देने वाले नियोक्ताओं को प्रोत्साहन
» प्रत्येक अतिरिक्त भर्ती पर प्रति माह ₹3,000 तक का प्रोत्साहन

अधिक जानकारी के लिए
देखें - www.pmvbry.epfindia.gov.in या
कॉल करें - 14480 / 1800-180-1850 (टोल-फ्री) या
स्कैन करें -

CBC 23101/13/0001/2526

आज की हाईटेक दुनिया में मानवाधिकार, सिर्फ संविधान तक सीमित नहीं हैं। आपकी ऑनलाइन आदतों, व्यवहार और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता में भी यह प्रकट होता है। यहां बताई जा रही आदतों को अपनाने वाला कोई भी व्यक्ति न सिर्फ डिजिटल वर्ल्ड में खुद को सुरक्षित रख सकता है बल्कि दूसरों के मानवाधिकारों की रक्षा करने में योगदान भी कर सकता है।

डिजिटल वर्ल्ड में भी जरूरी है
मानवाधिकारों के प्रति सजगता

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-स्पीड इंटरनेट और 24X7 स्क्रीन-लाइफ के इस दौर में मानवाधिकारों की परिभाषा वह नहीं रही, जो बीसवीं सदी के मध्य या उत्तरार्द्ध में हुआ करती थी। जीवन जीने की नई चुनौतियों के बीच, जीवन के अधिकारों की जमीन भी बदल रही है। साथ ही सार्वभौम मानवाधिकारों की परिभाषा भी बहुत तेजी से बदल रही है। आज मानवाधिकारों के दायरे में सिर्फ आपकी सदेह उपस्थिति ही नहीं रही, बल्कि डिजिटल उपस्थिति, ऑनलाइन व्यवहार और टेक्नोलॉजी के प्रयोग भी आ गए हैं। आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट, डिजिटल जीवनशैली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बीच बड़ी हुई पीढ़ी है। इसलिए उसके अधिकारों और जिम्मेदारियों का दायरा भी इन सभी आयामों से जुड़ता है। डिजिटल दुनिया की संवेदना का सम्मान किए बिना आज मानवाधिकारों की चर्चा पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि आज इंसान के जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटलाइज हो चुका है। इसलिए इस जीवन की हिफाजत, उसका सम्मान और उसकी संवेदनशीलता का ख्याल रखना भी आज का मानवाधिकार है।

महत्वपूर्ण है डिजिटल प्राइवेसी: डिजिटल स्पेस में प्राइवेसी का अर्थ सिर्फ 'सीक्रेट' रखना नहीं है बल्कि अपनी पहचान, आदतों और भावनाओं को सुरक्षित रखना भी है। हर मोबाइल एप आज आपके व्यवहार पर गहरी नजर रखता है और आपकी एक डिजिटल कुंडली बनाता है। उसे आपकी लोकेशन से लेकर आपकी हार्टबीट तक पता होती है। ऐसे में एक जागरूक युवा वही है, जो हर अनुमति को ध्यान से पढ़ता है, अपनी डिजिटल दुनिया के दरवाजों का मजबूत पासवर्ड रखता है, टू-फैक्टर सुरक्षा अपनाता है और अपनी निजी जानकारियां केवल जरूरी और सुरक्षित मंचों पर ही साझा करता है। लब्बोलुआब यह कि जो युवा अपनी प्राइवेसी की कीमत समझता है, वही दूसरों की प्राइवेसी का अर्थ भी जानता है। इसलिए मानवाधिकारों के प्रति सजग बनना है तो डिजिटल प्राइवेसी का सम्मान करना और इसे खुद भी सीखना जरूरी है।

साइबर बुलिंग का विरोध: स्मार्टफोन के दो क्लिक किसी की मानसिक शांति छीन सकते हैं। बॉडी-शेमिंग, ट्रोलिंग, मीम के नाम पर अपमान- ये सब मनोरंजन नहीं है बल्कि डिजिटल हिंसा है। एक संवेदनशील और मानवाधिकारों के लिए सजग युवा वही है, जो ऐसी हरकतों पर चुप नहीं रहता। 'रिपोर्ट' करता है, 'ब्लॉक' करता है और पीड़ित को 'सपोर्ट' करता है। ये तीन शब्द आज की सामाजिक जिम्मेदारी हैं। किसी की मानसिक भलाई भी एक मानवाधिकार है और इस भलाई को करना हर युवा के डिजिटल नागरिक होने का कर्तव्य भी है। इसलिए मानवाधिकारों का चैंपियन बनने के लिए इन सब हरकतों को लेकर चुप नहीं रहना चाहिए।

ऑनलाइन वित्तीय सुरक्षा का अधिकार

यूपीआई, वॉलेट पेमेंट और ऑनलाइन शॉपिंग ने सुविधा बढ़ाई है, लेकिन जोखिम भी बढ़ाया है। डिजिटल धोखाधड़ी सिर्फ पैसों का नुकसान नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक क्षति भी है। इस मामले में आप अपने मानवाधिकारों को तभी तक सुरक्षित रख सकते हैं, जब तक अजनबियों को ओटीपी, पिन, पासवर्ड नहीं बताते, संदिग्ध लिंक नहीं खोलते, क्यूआर कोड बिना सोचे नहीं स्कैन करते। वित्तीय सुरक्षा, आधुनिक मानवाधिकारों में सीधे इस सोच से जुड़ी है कि आर्थिक स्वाभिमान भी एक अधिकार है।

कुछ भी शेयर करने से पहले: किसी की फोटो, चैट, स्क्रीनशॉट या किसी की वीडियो को फटाफट पब्लिक फ्रंट पर साझा करने से पहले न केवल कई बार सोचें बल्कि जिनसे सीधे उसका रिश्ता है, अनिवार्य रूप से उसकी सहमति भी लें। अगर सहमति मिलती है, तभी सार्वजनिक दुनिया में प्राइवेसी के इन खास पलों को साझा करें। अगर ऐसा नहीं करते तो इससे साबित होगा कि आप डिजिटल दुनिया में न तो सामान्य शिष्टाचार का पालन करते हैं और न ही लोगों के प्रति संवेदनशील हैं। क्योंकि जो खिलवाड़ आप हंसी खेल में कर देंगे, वो किसी के लिए अभिशाप भी बन सकता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए 'कंसेंट कल्चर' सिर्फ भौतिक रिश्तों में ही नहीं बल्कि डिजिटल स्पेस में भी जरूरी है। दूसरों की अनुमति का सम्मान करना डिजिटल नैतिकता का आधार है।

फेक न्यूज-हेट स्पीच से दूरी: डिजिटल वर्ल्ड में मानवाधिकारों के प्रति अगर आप सजग हैं तो न सिर्फ फेक न्यूज और हेट स्पीच से दूर रहना जरूरी है बल्कि उन्हें हर संभव तरीके से रोकना भी जरूरी है। एक जागरूक डिजिटल यूजर को इसे भी अपनी 'नेट नागरिकता' की जिम्मेदारी और मानवाधिकार मानना चाहिए, क्योंकि भ्रामक खबरें अब खतरनाक हथियार बन चुकी हैं। एक एडिटेड वीडियो, एक गलत जानकारी पूरे समुदाय को तनाव में ला सकता है, अराजकता फैला सकता है। अतः जिम्मेदार और डिजिटल युग में मानवाधिकार के प्रति सजग वही है, जो किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचे। याद रखिए हेट स्पीच 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' नहीं है बल्कि यह स्वतंत्रता के नाम पर दूसरे के अधिकारों पर आक्रमण है। इसे रोकना डिजिटल समाज को सुरक्षित बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

डेटा उपयोग को जानने का अधिकार: आज आपके सोशल मीडिया फीड में क्या दिखेगा, यह आपकी पसंद से ज्यादा एल्गोरिद्म तय करता है। एआई आपकी आदतों का विश्लेषण करता है और आपके निर्णयों को प्रभावित करता है। हर डिजिटल सजग युवा को यह जानने का अधिकार है कि उसका डेटा कैसे उपयोग हो रहा है? इसके प्रति सजग और संवदनेशील बने रहना जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य का मानवाधिकार: डूम-स्क्रॉलिंग, लाइक्स पर निर्भरता, दूसरों की तुलना में आत्म-मूल्य घटाना, ये नई डिजिटल बीमारियां हैं। मानसिक स्वास्थ्य भी मानवाधिकार है और उसकी रक्षा आपको स्वयं करनी होती है। स्क्रीन टाइम सीमित करना, डिजिटल डिटॉक्स, सकारात्मक सामग्री चुनना और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगना, आपको मजबूत और संतुलित बनाता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही अपने अधिकारों के लिए सजग रह सकता है।

डिजिटल फुट प्रिंट की समझ: इस बात को याद रखिए कि इंटरनेट कुछ भूलता नहीं। सोशल मीडिया पर डाला गया हर शब्द, हमेशा के लिए दर्ज हो जाता है। अपने या अपने दोस्त के प्रति एक लापरवाही, करियर, रिश्तों या छवि पर भारी पड़ सकती है। इसलिए हर पोस्ट से पहले सोचना जरूरी है कि क्या ये भविष्य में मुझे या मेरे जैसे किसी और को चोट तो नहीं पहुंचाएगी? डिजिटल फुट प्रिंट का ध्यान रखना एक समझदार, संवेदनशील और भविष्य-दृष्टि वाला डिजिटल सिटिजन बनने का सबसे आसान तरीका है।

स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार: सभ्य संवाद ही आधुनिक अधिकार संस्कृति है। ऑनलाइन बोलने का साहस अच्छा है, लेकिन उसमें संवेदनशीलता, तर्क और शिष्टता भी होनी चाहिए। मतभेद स्वाभाविक हैं पर अपमानजनक भाषा मानवाधिकार मूल्यों को तोड़ती है। एक परिपक्व व्यक्ति वही है, जो अपनी राय साफ रखता है, लेकिन किसी की गरिमा को चोट नहीं पहुंचाता। *

स्वास्थ्य मात्र सुविधा ही नहीं
हम सभी का है अधिकार

कोई भी देश-समाज तब तक प्रगति नहीं कर सकता, खुश नहीं रह सकता, जब तक वहां के लोग स्वस्थ नहीं रहते। इसीलिए लोगों और सरकारों को इस दिशा में अवेयर करने के लिए ही 12 दिसंबर को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे मनाया जाता है। इस बारे में सभी को पता होना चाहिए।

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

हर साल 12 दिसंबर को दुनिया भर में मनाया जाने वाला यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे, हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन का हक, किसी खास वर्ग या आर्थिक स्थिति से नहीं जुड़ा। अस्पताल, दवा, इलाज, टेस्ट, मानसिक स्वास्थ्य- ये सब उपलब्धता का मुद्दा नहीं बल्कि धरती के हर नागरिक का अधिकार हैं।

यह दिन मनाने का मकसद: इस दिन का वास्तव में असली मकसद यही है कि आम लोग अपने नागरिक अधिकार समझें, क्योंकि बीमार होना कभी किसी की गलती नहीं होती, पर इलाज न मिलना व्यवस्था की गलती होती है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे, दुनियाभर की सरकारों, नीति-निर्माताओं और नागरिकों को यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य पर किया गया निवेश सिर्फ लोगों को मजबूत नहीं बनाता बल्कि पूरे समाज और अर्थव्यवस्था को सुरक्षित और समृद्ध करता है। जब हर व्यक्ति बिना आर्थिक मदद के डॉक्टर तक पहुंच सके, तभी सही अर्थों में, 'हेल्थ फॉर ऑल' जैसा नारा सच होगा।

ऐसे हुई इस दिन की शुरुआत: जहां तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे की शुरुआत और इसके मनाए जाने की वजह का सवाल है तो संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक मान्यता इस विशेष दिन के लिए 2017 में मिली। जब दिसंबर 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पास करके 12 दिसंबर को आधिकारिक रूप से यूएचसी डे (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे) घोषित किया। यह पहल वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों, नागरिक समाज और विभिन्न देशों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम थी। हालांकि ये 2017 में संभव हुआ, लेकिन इसकी जड़ें 2012 से जुड़ी हैं, जब इसी 12 दिसंबर को यूएन ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर पहली बार ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। इस दिन को ही बाद में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के रूप में चुना गया।

कई तरह के होते हैं आयोजन: जहां तक देश और दुनिया में इस विशेष दिन को मनाए जाने के तरीके का सवाल है तो दुनिया के अलग-अलग देश और संस्थाएं इस दिन को कई तरीकों से सेलिब्रेट करती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालयों और विभिन्न एनजीओं द्वारा सोशल मीडिया कैंपेन, 'हेल्थ फॉर ऑल', 'यूएचसी डे' जैसे हैश टैग के साथ मनाया जाता है। इस दिन अनेक डिजिटल पोस्टर, वीडियो और जनसंदेश स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से जारी किए जाते हैं। कई जगहों पर स्वास्थ्य शिविर और मुफ्त जांच कार्यक्रम चलते हैं। रक्तदान शिविर, टीकाकरण जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग कैंपेन और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान चलाए जाते हैं।

स्कूल कॉलेज में इस दिन छात्रों के लिए कई तरह की वर्कशॉप लगती हैं। हेल्थ अवेयरनेस रैली निकलती है। निबंध, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं होती हैं तथा मीडिया कवरेज भी इस अवसर को खास तव्वजो देती है। विभिन्न टीवी चैनल और पत्रिकाएं इस दिन के लिए विशेष कार्यक्रम बनाते हैं।

कोविड काल से बढ़ी महत्ता: साल 2019-20 में कोविड महामारी के दौरान इस खास दिन के लिए दुनिया भर में सजगता बढ़ी है, क्योंकि कोविड ने दिखा दिया कि असमान स्वास्थ्य ढांचा सिर्फ उस देश के लिए ही जोखिम भरा नहीं है, जहां ये होता है बल्कि पूरी दुनिया को खतरे में डाल सकता है। इसलिए इस दिन देशों को यह याद दिलाया जाता है कि स्वास्थ्य में निवेश करना, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला है। दुनिया में हर साल करीब 10 करोड़ लोग स्वास्थ्य खर्च के चलते गरीबी रेखा से घिर जाते हैं, जबकि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस की यह धारणा ही है कि स्वास्थ्य लोगों की जेब पर भारी पड़ने वाली चीज नहीं है बल्कि सरकारों की अपनी जनता के लिए बुनियादी जिम्मेदारी है।

सामाजिक जिम्मेदारी है अच्छी हेल्थ: आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता स्क्रीन टाइम, तनाव और फास्ट फूड की ललक के चलते दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं का मानव विस्फोट हो गया है। ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर हर तरफ खतरा और डर महसूस होता है, जिसके कारण अरबों, खरबों डॉलर के हर साल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा लोगों द्वारा लिए जाते हैं। उस सबके बीच यूएचसी डे का कुछ अलग ही महत्व निकलकर आता है कि स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्या नहीं है, यह सामाजिक जिम्मेदारी है। *

नवगीत
घमंडीलाल अग्रवाल

सुख हो गया लघुकथा जैसा

सुख हो गया लघुकथा जैसा
उपन्यास-सा दुख!
पसर गईं हैं मन में आकर
ऐसे इच्छाएं,
वर्षा के मौसम में नभ पर
जैसे घन छाएं।
पढ़े न कोई उर की पोथी
देखें सब आमुख।
भौतिकता की चकाचौंध ने
हमको भरमाया,
आमदनी आठ आने, खर्चा
है रुपया पाया।
उलझन ने खोले सुरसा-से
बड़े-बड़े अब मुख।
माया के चक्कर में काया
हुई सूख कांटा,
परेशानियां सांझ-सकारे
मार रहीं चांटा।
फिर भी खाई में गिरने का
अपनाया है रुख।
हवा भरे गुब्बारों जैसे
लोग नजर आते,
घड़ी दो घड़ी साथ निभाकर
पिचक बाद जाते।
बांह न कोई गहे उम्र भर
कब बैठे सम्मुख।

लघुकथाएं

दीवारें भी कुछ कहती हैं

बाबूजी ने अपने पुराने घर का रेनोवेशन करवाया था। पूरा घर चमकने लगा था। दरवाजों पर सुंदर कलर के पेंट, दीवारों पर नई डिजाइन की कलाकारी, नया पेंट, पुट्टी सब कुछ बहुत सुंदर दिख रहा था। यह सब देखकर ससुराल से आई बेटी रानू बहुत खुश हो रही थी। वो घर के अंदर गई तो देखकर दंग रह गई। मुख्य द्वार पर पीले, लाल हाथों के निशान ज्यों के त्यों थे। बैठक में दीवारों पर रंग-बिरंगी आड़ी-तिरछी रेखाएं मुंह चिढ़ा रही थीं। और तो और जीने की दीवारों पर तेल भरे हाथों के धब्बे दिखाई दे रहे थे। इन सभी जगहों को छोड़कर बाकी दीवारों पर लिपाई-पुताई कर दी गई थी। यह सब देखकर हैरान-सी रानू ने अपने पिता से पूछा, 'बाबूजी, यह सब क्या है? आपने इन दीवारों पर इन गंदे दाग-धब्बों पर पेंट क्यों नहीं करवाया? ऐसे इन्हें क्यों छोड़ दिया? देखो ये कितने बदरंग दिख रहे हैं।'

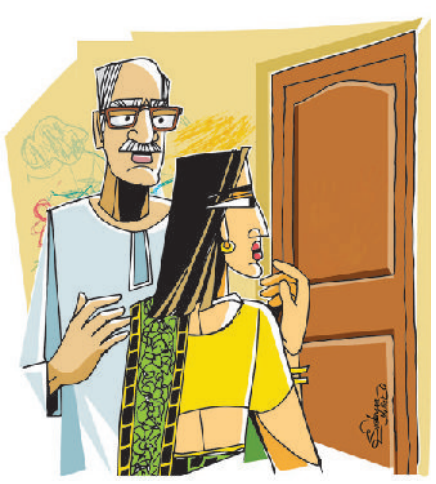

बाबूजी मुस्कुराते हुए बोले, 'बेटा, यह बदरंग धब्बे-दाग नहीं, यह रिश्तों के प्रेम के खुशरंग निशानी हैं। ये देखो, यह लाल, पीले हाथों के छाप। यह तेरी बुआ के हाथों के छाप हैं, जब वह ससुराल गई थी। ये लाल निशान तेरे हाथों के हैं, जब तू ससुराल गई थी। ये आड़ी-तिरछी रेखाएं तुम सब नन्हे-मुन्ने बच्चों की हैं, जब तुम शरारत करते थे। यह जीने पर तेल के दाग तुम्हारे पूज्य दादा जी के हैं, जब-तब वे जीने पर इन दीवारों के सहारा लेकर चढ़ते थे। आज वे नहीं रहे, पर ये निशानियां हैं, जो मुझे हमारे पुराने दिनों की याद दिलाते हैं। ये दीवारें भी कुछ कहती हैं हमसे, तुम भी सुनो।' बाबूजी की बात सुनकर रानू पुरानी यादों में खो गई। *

– शैल चंद्रा

सीमा

आज डमरू अपनी बिटिया विनी को बाजार में ड्रेस दिलाने लाया था। एक फ्रॉक की दुकान पर दोनों रुक गए।

'पापा..पापा.. ये फ्रॉक ले लो ना.. ये वाली..।' विनी ने मचलते हुए एक फ्रॉक की तरफ इशारा किया। डमरू का दिल धक-धक करने लगा। स्लेटी रंग की वह फ्रॉक सिल्क की थी। उसने सोचा काफी महंगी होगी। डमरू को समझ नहीं आ रहा था, छह साल की बेटी को कैसे बहलाए।

गर्दन घुमाते हुए डमरू को एक रंगीन लेकिन सस्ती सी फ्रॉक दिखाई दी। वह बोला, 'आहा! यह देखो विनी, इसमें झालर है, घुंघरू भी लगे हैं, इसे ले लो बेटा।'

रंग की चकाचौंध में विनी बहल गई। उसने वही फ्रॉक ले ली। सूती कपड़े की रंगीन फ्रॉक पहनकर अगले दिन विनी स्कूल गई। वहां स्कूल फंक्शन में विनी ने कविता प्रतियोगिता में प्यारी सी एक कविता सुनाई। उसे प्रथम पुरस्कार मिला। विनी की खुशी दोगुनी हो गई।

घर आकर चहकते हुए उसने बताया, 'पापा, इसी प्यारी फ्रॉक की वजह से मिल गया पहला ईनाम।' विनी खुशी से अपनी ट्रॉफी चूम रही थी। डमरू को पिछले साल का वह वाकया याद आया, जब एक मिठाई की दुकान पर काजू कतली को देखकर विनी मचल गई थी, उसे यह मिठाई खानी है। डमरू ने दूसरी तरफ उसे बहलाते हुए रंगीन पेठा दिखाया। मासूम विनी वही रंगीन रसीला पेठा खाकर खुश हो गई थी। कल भी डमरू ने वही किया। विनी तो छोटी बच्ची है, अबोध। लेकिन डमरू मजबूर है, उसे अपनी सीमा का आभास है, वह अपनी चादर से बाहर पैर नहीं फैला सकता। *

-पूनम पांडे

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की बस्ती

हाल में वरिष्ठ कथाकार अब्दुल बिस्मिल्लाह द्वारा लिखे गए संस्मरणों की किताब 'स्मृतियों की बस्ती' छपकर आई है। इसमें कुल सोलह संस्मरण संकलित हैं। इनमें त्रिलोचन और अमरकांत पर दो-दो संस्मरण हैं और एक संस्मरण इलाहाबाद में लेखक के द्वारा बिताए गए दिनों पर आधारित है।

'चिड़ियों के घर का वासी' संस्मरण हजारी प्रसाद द्विवेदी पर लिखा गया है। इसमें लेखक ऐसी छोटी-छोटी कई बातें बताते हैं, जिनसे द्विवेदी जी के व्यक्तित्व की सहजता और सरलता में निहित विराटता प्रकट होती है। 'बरगद जैसे छायादार थे अमृतलाल नागर' संस्मरण में लेखक ने नागर जी से मिली आत्मीयता का मार्मिकता से वर्णन किया है। अमरकांत पर इस पुस्तक में दो संस्मरण संकलित हैं- 'अशोक वृक्ष की छाया में' और 'अमरकांतः प्रफुल्लता की प्रतिमूर्ति।' त्रिलोचन पर भी पुस्तक में दो संस्मरण 'नाम सार्थक लगे त्रिलोचन' और 'एक विरोधाभास त्रिलोचन' संकलित हैं। काशीनाथ सिंह, हरिशंकर परसाई और बाबा नागार्जुन से जुड़े संस्मरणों में उनके कई अनछुए पहलू उजागर हुए हैं। पुस्तक के अंतिम संस्मरण 'इलाहाबाद के वे दिन' में अब्दुल बिस्मिल्लाह लिखते हैं, 'इलाहाबाद के साहित्यिक-सांस्कृतिक वातावरण, वहां की गतिविधियों, रचनाकारों के जमावड़ों, भांति-भांति के व्यक्तियों और समग्रता में उस शहर के जीवन प्रवाह ने न केवल मेरी जीवनी शक्ति को दृढ़ता प्रदान की, बल्कि मेरी रचनाशीलता को भी धार दी।' बिस्मिल्लाह जी ने जिन हस्तियों पर संस्मरण लिखे हैं, उनके साथ उनके शहर का जीवन स्पंदन और जीवनशैली का सोंधापन भी महसूस कराते चलते हैं। *

पुस्तक: स्मृतियों की बस्ती, **लेखक:** अब्दुल बिस्मिल्लाह, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रकृति की गोद में बसा नागालैंड, अपनी जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के लिए जाना जाता है। नागालैंड के कला संस्कृति विभाग द्वारा 1 से 10 दिसंबर तक हॉर्नबिल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में यहां के पारंपरिक नृत्य, शिल्प, खेलकूद, खान-पान एवं धार्मिक आयोजनों का अनूठा संगम देखा जा सकता है। इस आयोजन की विशेषताओं पर एक नजर।

नागालैंड की जनजातीय संस्कृति का अनोखा महापर्व है हॉर्नबिल फेस्टिवल

सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक

भारत के उत्तर-पूर्वी इलाके में बसे पहाड़ी राज्य नागालैंड की पहचान मुख्यतः उसके पहाड़ी सौंदर्य, प्राकृतिक वातावरण और जनजातीय संस्कृति से निर्मित होती है। नागालैंड में 17 से अधिक जनजातियां निवास करती हैं। इन सबकी अपनी अलग-अलग भाषाएं, परंपराएं, मिथक, नृत्य-गीत, रहन-सहन और जीवनशैली है। यहां वर्ष 2000 से शुरू हुए हॉर्नबिल महोत्सव ने इन सभी जनजातियों को इंद्रधनुषी धागे में पिरोकर एक कर दिया है। इसे 'फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स' यानी 'त्योहारों का त्योहार' भी कहा जाता है। हर साल 1 से 10 दिसंबर तक नागालैंड की राजधानी कोहिमा के पास स्थित किसामा हेरिटेज विलेज में इस बहुरंगी सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया जाता है।

लोकस्मृति का महोत्सवः वास्तव में हॉर्नबिल महोत्सव, नागालैंड की जनजातीय लोकस्मृति का आख्यान है। पिछली सदी के आखिरी दशक में यह महसूस किया गया कि नागालैंड की पारंपरिक धरोहरें तेजी से आधुनिकता के दबाव में गायब होती जा रही हैं। इसलिए तत्कालीन सरकार ने नागालैंड की सभी जनजातियों के युवाओं के बीच एक साझे महोत्सव की कल्पना की, ताकि इनके बीच अपनी-अपनी जनजातियों के पारंपरिक ज्ञान और रीति-रिवाजों को अक्षुण्ण रखा जा सके। इस कल्पना का परिणाम हॉर्नबिल फेस्टिवल के रूप में सामने आया। महज एक दशक में ही हॉर्नबिल महोत्सव ने न केवल समूचे नॉर्थ ईस्ट को बल्कि पूरे भारत को अपनी सांस्कृतिक चुंबकत्व से दीवाना बना दिया।

सांस्कृतिक श्रेष्ठता प्रस्तुत करने का अवसरः इस महोत्सव का नाम हॉर्नबिल नामक एक पक्षी के नाम पर रखा गया है, जो नागालैंड की लोककथाओं और प्रतीकों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दरअसल, हॉर्नबिल महोत्सव एक ऐसा मंच है, जहां नागालैंड की सभी जनजातियों के युवा अपना पारंपरिक ज्ञान, रीति-रिवाज, जीवन के विचार और पूर्वजों की महानता को साझा करते हैं। इस महोत्सव के जरिए वे सभी अपनी सांस्कृतिक श्रेष्ठता को मंच में प्रस्तुत करने का मौका पाते हैं।

विविधता का जीवंत प्रदर्शनः हॉर्नबिल महोत्सव में नागालैंड की जनजातीय संस्कृति का शानदार प्रदर्शन होता है। यह सांस्कृतिक उत्सव नागाओं की सामुदायिक संरचना को व्यापक बनाता है और इसे मजबूती प्रदान करता है। इस उत्सव में परंपरागत युद्ध गीत और नृत्य, प्रेम और विरह की भावनाओं पर आधारित प्रस्तुतियां, लकड़ी की नक्काशी से लेकर रंगीन आभूषणों तक की प्रदर्शनी सबका मन मोह लेती है। पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ हर रंग, हर राग, हर ऊर्जा का आकर्षण रह-रहकर टपकता है।

उत्सव के दौरान हेरिटेज विलेज किसामा समूचे नागालैंड का सांस्कृतिक उत्सव स्थल बनकर सामने आता है। प्रत्येक जनजाति का सामुदायिक घर, इस हेरिटेज विलेज में अपने पारंपरिक रूप में तैयार किया जाता है। जगह-जगह अलाव जलाए जाते हैं, लोग इसके इर्द-गिर्द बैठकर कहानियां सुनते-सुनाते हैं। देश-विदेश से आए पर्यटक यहां नागालैंड की जनजातियों की विविधतापूर्ण संस्कृतियों को देखते-समझते हैं।

एकता के सूत्र में पिरोता महोत्सवः दशकों पहले नागालैंड में अलग-अलग जनजातियों में मतभेद हुआ करता था। हॉर्नबिल महोत्सव के शुरू होने के बाद अब उन सभी जनजातियों में मतभेद खत्म हो गया है और अब पूरे साल यह होड़ लगी रहती है कि महोत्सव में कौन-सी जनजाति अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति से सबका मन मोह लेगी। नागालैंड की जनजातीय संस्कृति धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही थी। लेकिन हॉर्नबिल महोत्सव के स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के कारण अब पूरे नागालैंड में सभी समुदायों की अपनी-अपनी संस्कृति विकास के चरम पर है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस पर्व ने किस तरीके से यहां के जनजातीय समाज को आपस में जोड़ दिया है।

परंपरा-आधुनिकता का संगमः हॉर्नबिल केवल अतीत का उत्सव नहीं है। यहां अपने अतीत का वैभव प्रस्तुत करने के अलावा युवा रॉक कंसर्ट, बाइक रैली, एडवेंचर स्पोर्ट्स, फैशन शो, फोटोग्राफी और फूड फेस्ट का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन करते हैं और आनंद लेते हैं। यह महोत्सव अपनी परंपराओं को आधुनिकता का पूरक बनाता है। वास्तव में यह पर्व नागालैंड की विभिन्न जनजातियों की आधुनिक और पारंपरिक पहचान को मजबूत करता है। इस महोत्सव के शुरू होने के बाद जिस तरह से नागालैंड में जनजातियों के बीच भाईचारा, एकता और अपने को श्रेष्ठ साबित करने की आंतरिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया है, इसके कारण इस सांस्कृतिक महोत्सव ने नागालैंड को सांस्कृतिक रूप से पुनर्जीवित किया है।

आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्णः नागालैंड का बड़ा हिस्सा आज भी ग्रामीण और हस्तशिल्प आधारित अर्थव्यवस्था पर चलता है। हॉर्नबिल महोत्सव यहां के स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, किसानों, लकड़ी के शिल्पकारों, पाक कला में निपुण लोगों आदि के लिए साझी खुशियां तो लाता ही है, साथ ही उन्हें कारोबार के अवसर भी प्रदान करता है। इस दौरान यहां देश-विदेश से लाखों की तादाद में सैलानी इस महोत्सव को देखने आते हैं। इससे स्थानीय होटलों, ट्रांसपोर्ट और होम स्टे की कमाई कई गुना हो जाती है। *

ऐसे बनाएं अपनी पावर इमेज

प्रोफेशनल लाइफ हो या पर्सनल, इंप्रेसिव इमेज हर कहीं मायने रखती है। अपनी पावरफुल या कहें इंप्रेसिव इमेज बनाने के लिए आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज और बिहेवियर के प्रति एलर्ट रहना होगा।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

आपको अपने सोशल और प्रोफेशनल सर्किल में अपनी धाक जमानी है और आप चाहते हैं कि लोग आपको गंभीरता से लें तो सिर्फ मेहनती और प्रतिभाशाली होना काफी नहीं है। इसके लिए आपको अपना लुक, बोलने का तरीका और बॉडी लैंग्वेज सब कुछ इंप्रेसिव बनाना होगा। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे टिप्स, जो दुनिया के नामचीन व्यवहार विशेषज्ञों ने सुझाए हैं।

जरा जल्दी और स्पष्ट बोलें: माना कि कुछ लीडर्स या अन्य फील्ड से जुड़ी पर्सनालिटीज धीमी गति से ठहर ठहर कर बोलते हैं। इसके बावजूद लोग उन्हें पसंद करते हैं। लेकिन हर किसी पर यह बात सही नहीं लगती है। खासतौर पर प्रोफेशनल लाइफ में अपनी बात जरा जल्दी बोलें। इस बात का भी ध्यान रखें कि बोलने की स्पीड बुलेट ट्रेन जैसी भी न हो कि लोग आपकी बात को समझ ही न पाएं। बहुत कम गति और धीमे स्वर में बोलने वालों से भी लोग इरीटेट हो जाते हैं और अकसर उनसे रूबरू होने में दिलचस्पी नहीं लेते। बेहतर होगा कि आप संतुलित गति से, सुनने लायक स्वर में और स्पष्ट बोलें ताकि लोग आपकी बात अच्छी तरह समझ सकें और आपसे बात करने में इंट्रेस्ट लें।

लोगों की बात गौर से सुनें: बेस्ट सेलर बुक 'हाऊ टू विन फ्रेंडस एंड इंफ्लूएंस पीपल' में सेलेब्रिटी राइटर डेल कार्नेगी ने लिखा है कि अगर आप लोगों का दिल जीतना चाहते हैं और उनके बीच पॉपुलर होना चाहते हैं तो सबसे पहले उनकी बात को तवज्जो दें। उन्हें खुद के बारे में जो कुछ कहना है, उसे गौर से सुनें। तभी उनकी दिलचस्पी आप में जगेगी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता भी इस बात की पुष्टि करते हैं। एक अध्ययन में यह पाया गया है कि खुद के बारे में बोलकर लोगों को ज्यादा खुशी मिलती है और जब कोई उनकी बात को ध्यान से सुने तो यह खुशी बढ़ जाती है। साथ ही श्रोता के प्रति उनके दिल में एक खास जगह भी बन जाती है।

ड्रेस जो करे इंप्रेसः 'एग्जीक्यूटिव प्रेजेंस' पुस्तक की लेखिका सिल्विया एन हेवलेट कहती हैं, 'अपीयरेंस हमारा पहला फिल्टर होता है। हमें अपने कपड़े, जूते, बेल्ट आदि हमेशा धुले, प्रेस किए हुए और शूज पॉलिश किए हुए पहनने चाहिए। सब साफ-सुधरा होना चाहिए।' कई अध्ययनों में भी कहा गया है कि फॉर्मल ड्रेस पहनने से आप खुद को ज्यादा पावरफुल महसूस करते हैं। 'जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल साइकोलॉजी' में एक तुलनात्मक अध्ययन के बाद यही साबित हुआ कि अच्छे और प्रभावशाली ड्रेसिंग सेंस से किसी को भी आसानी से इंप्रेस किया जा सकता है और ऐसे लोगों की बातों को लोग ज्यादा गौर से सुनते हैं।

रोचक अंदाज में करें बातः सपाट अंदाज में बात न करके अपनी बात को जरा चुटीले अंदाज में छोटी-मोटी कहानियों, प्रेरक प्रसंगों, सूक्तियों, लोकोक्तियों और मुहावरों के प्रयोग से बोलने की आदत डालें। व्यवहार विशेषज्ञों ने अपने अध्ययन में पाया है कि दुनिया के सबसे सफल प्रेजेंटेशंस में 65 फीसदी हिस्सा कहानियों का, 25 फीसदी आंकड़ों का एवं बाकी उनकी व्याख्या का रहता है। अपनी ट्रेंड टॉक्स के लिए विख्यात शेरिल सैंडबर्ग कहती हैं कि मैं सिर्फ तथ्यों और आंकड़ों से भरा व्याख्यान देने वाली थी लेकिन किसी ने मुझे ऐन वक्त पर टोका कि मैं ठीक नहीं लग रही। इससे निराश होकर मैं वापस आने वाली थी। लेकिन मेरी बेटी ने मुझे वापस नहीं आने दिया। इस पर किसी ने आइडिया दिया कि क्यों न स्टेज पर मैं यह स्टोरी सुनाऊं। यह आइडिया सुपरहिट रहा।

स्ट्रॉन्ग हैंडशेकः एक सधा हुआ, फर्म और फ्रेंडली हैंडशेक आपको लोगों का दिल जीतने में मदद करेगा। इससे आपके व्यक्तित्व की गर्माहट का पता चलता है। हाथ मिलाते वक्त आई कांटेक्ट रखें, ग्रिप मजबूत रखें और चेहरे पर मुस्कान रखें। एक अच्छा हैंडशेक आपका फर्स्ट इंप्रेशन सेट करता है। *

पर्वत हमारी पृथ्वी, हमारी प्रकृति और जैव विविधता के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। इसके साथ-साथ जलवायु को नियंत्रित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने भीतर तमाम संसाधन समेटे, ये पर्वत सांस्कृतिक महत्व भी रखते हैं।

पहाड़ हैं प्रकृति के रक्षक
जीवन-संस्कृति के संरक्षक

जागरूकता
शिखर चंद जैन

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, बादल फटने और प्राकृतिक विनाश की तेजी से बढ़ रही घटनाओं ने हर किसी को परेशान कर दिया है। इसकी एक बड़ी वजह है हाई-वे, सुरंग, बड़े-बड़े भवन आदि बनाने के लिए पहाड़ों और जंगलों की नासमझी से बेतहाशा कटाई। पहाड़ों की इस तरह से तोड़ा जाना हमारी पृथ्वी और प्रकृति के लिए बहुत ही घातक है। पहाड़ों से छेड़छाड़ की समस्या और पहाड़ों के महत्व को रेखांकित करने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र ने 2002 को 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत वर्ष' घोषित किया था। दुनिया भर के जलवायु और भू विशेषज्ञों ने इस पहल का स्वागत किया। फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2003 से हर साल 11 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव पारित किया। तब से इसे हर साल मनाया जाता है। पर्वत दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि हम पहाड़ों की उपयोगिता और इसके महत्व को समझ सकें।

पर्यावरण के रक्षकः पहाड़ प्रकृति के रक्षक और संतुलन बनाने वाले होते हैं। वे हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करते हैं। पहाड़ों पर लगे पेड़-पौधों की जड़ें मिट्टी को कसकर पकड़े रखती हैं। इससे बारिश के पानी या हवा की वजह से मृदा अपरदन यानी मिट्टी का कटाव नहीं होता है। पहाड़ बाढ़ और जमीन खिसकने/लैंड स्लाइड जैसी आपदाओं को भी कम करते हैं। साथ ही पेड़-पौधों और वनस्पति के विकास को भी सुनिश्चित करता है।

जल का स्रोतः हम जो साफ-मीठा पानी पीते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा हमें पहाड़ों से प्राप्त होता है। पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ जमती है। जब गर्मी आती है, तो यह बर्फ पिघलकर नदियों, झरनों और झीलों में बहती है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा पीने, खेती और बिजली बनाने के लिए पहाड़ों से आने वाले इसी पानी पर निर्भर है। इसीलिए पहाड़ों को 'दुनिया के जल मीनार' भी कहा जाता है।

अच्छे मौसम के निर्माताः पहाड़ हवा के बहाव को रोकते हैं। जब नम हवा पहाड़ों से टकराती है, तो वह ऊपर उठती है, ठंडी होती है और बारिश या बर्फ के रूप में नीचे गिरती है। इस तरह, पहाड़ अपने आस-पास के इलाकों में मौसम को ठंडा और सुहावना बनाए रखते हैं। वे मैदानों को बहुत गर्म या ठंडे मौसम से भी बचाते हैं।

जीव-जंतुओं का आश्रयः पहाड़ अनगिनत पेड़-पौधों, जानवरों और पक्षियों का घर होते हैं। यहां ऐसी बहुत-सी प्रजातियां मिलती हैं, जो दुनिया में कहीं और नहीं मिलतीं। जैव विविधता के लिए पहाड़ बहुत महत्वपूर्ण हैं। पहाड़ों के आस-पास घने जंगल पाए जाते हैं, जो तमाम तरह के पशु-पक्षियों और अनेक प्रकार के वन्य जीवों का आवास होते हैं।

मनुष्य के लिए बहु उपयोगीः पहाड़ हमारे जीवन को कई तरीकों से बेहतर बनाते हैं और हमें उपयोगी चीजें प्रदान करते हैं। पहाड़ों के जंगलों से हमें लकड़ी, शहद, फल और बहुत सारी जड़ी-बूटियां मिलती हैं। पहाड़ हमें सुकून और शांति भी प्रदान करते हैं। जब हम शहर के प्रदूषण और शोर-शराबे से ऊब जाते हैं, तो पहाड़ों की ताजी हवा और शांत वातावरण हमें सुकून और शांति भी प्रदान करते हैं। लोग वहां आराम करने, ट्रैकिंग (चढ़ाई) करने और प्रकृति का आनंद लेने जाते हैं। पहाड़ों की सैर हमारे दिमाग और शरीर को तरोताजा कर देता है। खेती और चारागाह के लिए भी पहाड़ मुफीद स्थान माने जाते हैं। पहाड़ों की ढलानों पर सीढ़ीदार खेत बनाकर खेती की जाती है। यहां चाय, कॉफी, मसाले और फल उगाए जाते हैं। पहाड़ी घास के मैदान दूध एवं ऊन प्रदान करने वाले पहाड़ी पशुओं के लिए बेहतरीन चरागाह होते हैं।

संस्कृति के पोषकः पहाड़ अब भी कई प्राचीन संस्कृतियों और जनजातियों को सहेजे हुए हैं। पहाड़ों के इर्द-गिर्द अब भी शहरी चकाचौंध से दूर सामान्य जीवन जीने वाले कबीले बसते हैं। यहां रहने वाले लोगों की जीवनशैली, भाषा, रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा और तीज-त्योहार अलग-अनोखे होते हैं। वे प्रकृति के बहुत करीब रहते हैं और सदियों से अपने खास तौर-तरीकों से जीवन यापन करते आ रहे हैं। पहाड़ की गोद में बसे इन लोगों ने लुप्त हो रही बहुत-सी परंपराओं और रीति-रिवाजों को अब भी सहेज कर रखा है।

पर्यटन उद्योगः पहाड़ हमेशा से पर्यटकों के फेवरेट टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में शामिल रहे हैं। जब लोग घूमने आते हैं, तो वहां होटल, रेस्टोरेंट और दुकानें चलती हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है और देश की अर्थव्यवस्था को फायदा होता है। स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग और माउंटेन बाइकिंग जैसे खेल भी यहां कमाई के प्रमुख साधनों में गिने जाते हैं।

ऊर्जा, खनिज का खजानाः पहाड़ों से तेज गति से बहने वाली नदियों के पानी पर बांध बनाकर पनबिजली उत्पादन किया जाता है। यह बिजली हमारे घरों को रोशन करती है और फैक्ट्रियों को चलाती है। यह एक साफ और रीन्यूएबल ऊर्जा का स्रोत है। कई पहाड़ों के नीचे जमीन में कोयला, लोहा, तांबा और सोना जैसे मूल्यवान खनिज पाए जाते हैं। इस तरह पहाड़ हम इंसानों के जीवन को कई रूपों में लाभान्वित करते हैं। *

कई फिल्मों की रिलीज से कूल दिसंबर हो जाता है हॉट

दिसंबर के महीने में जब सर्दी लोगों को ठिठुराने लगती है, तब लोगों को एंटरटेनमेंट की गर्माहट देता है फिल्म उद्योग। लगभग हर साल इस महीने एक के बाद एक छोटे-बड़े बजट की कई फिल्में रिलीज होती हैं। इस साल दिसंबर में रिलीज होने वाली फिल्मों और इस ट्रेंड पर एक नजर।

सिने ट्रेंड
डी.जे. नंदन

कई बड़ी फिल्मों की रिलीज क्लैश से हर साल ठिठुरते दिसंबर को एक अलग ही मनोरंजन की गर्माइश मिलने लगती है। यह किसी एक विशेष साल की बात नहीं है, लगभग हर साल दिसंबर के हिस्से फेस्टिव सीजन और बड़े बजट की मेगास्टरर फिल्में आती हैं, जिससे इस ठिठुरते महीने में भी बॉक्स ऑफिस प्रतिस्पर्धा की तपिश महसूस करता है। दिसंबर का महीना हर साल के लिए बहुत खास होता है। हालांकि घोषणा के बाद भी कई फिल्में आखिरी मौके पर नहीं रिलीज होतीं, क्योंकि इसके बाजार से लेकर फायदा नुकसान के तमाम समीकरण होते हैं। फिर भी अभी तक की जो घोषणाएं हैं, उनके मुताबिक इस साल दिसंबर के आने वाले दिनों में बड़ी-बड़ी फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं।

रिलीज होंगी ये फिल्मेंः इस साल दिसंबर महीने की शुरूआत में ही यानी 5 दिसंबर को एंटरटेनमेंट की शुरुआत एक मेगा मिस्ट्री थ्रिलर 'धुरंधर' से हो चुकी है। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। अपने कॉमेडी शो के लिए मशहूर कपिल शर्मा की 'किस-किस को प्यार करूं 2' फिल्म की रिलीज डेट 12 दिसंबर घोषित हुई है। 19 दिसंबर को हॉलीवुड की पॉपुलर फ्रेंचाइजी 'अवतार' की अगली फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश' रिलीज होगी। क्रिसमस वाले दिन यानी 25 दिसंबर को कई बड़ी फिल्मों, जैसे- 'तू मेरी मैं तेरा', 'वृषभ', 'एनाकोंडा' के रिलीज होने की घोषणा हुई है। 25 दिसंबर को ही हर दिल अजीज स्वर्गीय धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' भी रिलीज होने के लिए घोषित हुई है। 'इक्कीस' अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की भी डेब्यू फिल्म है।

दिसंबर में फिल्म रिलीज का गणितः सवाल है, दिसंबर के महीने में हर साल फिल्म रिलीज की मारामारी और बाजार की भारी प्रतिस्पर्धा क्यों होती है? दरअसल, इस महीने में पूरी दुनिया में छुट्टी का माहौल होता है। दर्शकों की पसंद को भुनाने के लिए साल के इस आखिरी माह में बड़े-छोटे बजट की, हर तरह की फिल्में रिलीज होने का इंतजार करती हैं। दिसंबर में आमतौर पर टिकट की कीमतें बढ़ जाती हैं और इस बढ़ी हुई कीमतों के बाद भी दर्शक बिना शिकायत किए फिल्में देखने पहुंचते हैं, क्योंकि त्योहार और छुट्टी का माहौल होता है। फिल्ममेकर्स को इसका सीधा फायदा मिलता है। दिसंबर के महीने में हमेशा होता यह है कि कई बड़ी फिल्में रिलीज होती हैं और सबका मकसद एडवांस बुकिंग को लेकर बॉक्स ऑफिस के हर तरह के रिकॉर्ड को ध्वस्त करना होता है।

5 दिसंबर को हुई रिलीज 'धुरंधर' का दृश्य

रिलीज होने वाली है 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी'

ऐसी फिल्में की जा रही पसंदः साल 2020 के बाद दुनिया की आदतें और फिल्मों को लेकर च्वॉइस बदली है। 2025 आते-आते अब साफतौर पर एक नया पैटर्न दिखने लगा है। अब साल के इस आखिरी महीने में दर्शक मारधाड़ या हाई बज ड्रामा की जगह दिमाग को राहत देने वाली फिल्में अधिक देखने लगे हैं। यही कारण है कि अब पिछले कई सालों से दिसंबर माह में विशेषकर तीसरे और चौथे सप्ताह में कॉमेडी फिल्मों के लिए अच्छा माहौल होता है। इस साल भी कई कॉमेडी फिल्में लाइन में हैं, जिनमें कपिल शर्मा के 'किस-किस को प्यार करूं-2' के अलावा संजय मिश्रा और महिमा चौधरी की 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' की भी डेट आई है। दरअसल, दिसंबर के आखिरी हफ्ते में यानी क्रिसमस के समय लोग फिल्में देखने के लिए फैमिली के साथ मल्टीप्लेक्स जाना पसंद करते हैं। इसलिए बहुत बोल्ड और मार-धाड़ से भरी फिल्मों के रिलीज से अब दिसंबर के आखिरी सप्ताह में परहेज किया जाने लगा है।

ये फैक्टर्स भी कराती हैं हिटः पहले के दौर में फिल्म रिलीज को लेकर अलग मान्यताएं हुआ करती थीं। लेकिन अब दिसंबर के इस भारी प्रतिस्पर्धा के माहौल में एक जंग स्टारडम वर्सेस कंटेंट की भी होती है। कटेंट की बात करें तो आज के दर्शक बड़े-बड़े नामों पर नहीं जाते, उनको फिल्म में एक अच्छी और लॉजिकल कहानी चाहिए होती है। कहानी लॉजिकल न हुई, तो चाहे जितनी अच्छी टेक्नोलॉजी हो, जितना अच्छा फिल्मांकन हो, उस फिल्म के टिकट विंडो में फ्लॉप होने की आशंका बनी रहती है।

ट्रेड रिपोर्ट और प्री-रिलीज बातचीत से जो चीजें उभर रही हैं, उनके मुताबिक बड़े सितारों की लोकप्रियता अब ट्रेलर रिस्पॉन्स पर बहुत हद तक निर्भर करती है। शायद यही कारण है कि अब मेकर्स, ट्रेलर की रिलीज पर विशेष ध्यान देते हैं। फिल्म के लिए दर्शक जुटाने में अब ट्रेलर रिस्पॉन्स की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

कई बार सोशल मीडिया में किया गया प्रचार-प्रसार भी फिल्म की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अब बहुत से स्टार और फिल्ममेकर्स सोशल मीडिया का बहुत सहारा लेते हैं।

नए साल का पता चलता है ट्रेंडः दिसंबर के महीने में सिर्फ बॉक्स ऑफिस की कॉमर्शियल फाइट भर नहीं होती है। यह अगले साल रिलीज होने वाली फिल्मों की परख लेकर भी आता है। इससे पता चलता है कि नए साल में किस मूड और इंट्रेस्ट की फिल्में ज्यादा देखने को मिलने वाली हैं। इसलिए दिसंबर का महीना भले कड़कड़ाती ठंड से ठिठुरने का महीना हो, लेकिन फिल्मों की रिलीज और बॉक्स ऑफिस की कमाई के मामले में यह बेहद हॉट महीना हो जाता है। *

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा नई दिल्ली और मॉस्को में दोस्ती की एक नई इबारत लिख गया है। दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमंद है। शिखर बैठक ने इस भरोसे को और मजबूती दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। हमारी विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। पुतिन की इस यात्रा के बाद यह सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

पुतिन के दौरे का सामरिक-आर्थिक महत्व

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। पुतिन का यह दौरा न केवल पारंपरिक ऊर्जा जैसे तेल, गैस और रक्षा सहयोग तक सीमित है, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, स्वास्थ्य, कृषि जैसे कई मोर्चों पर दोनों देशों की साझेदारी को आगे बढ़ाने की एक बड़ी योजना है। इस दौरान दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा है। पुतिन के भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने कुल 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।

आर्थिक साझेदारी महत्वपूर्ण

मोदी और पुतिन के बीच शिखर वार्ता का मुख्य बिंदु तेल और रक्षा के पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग से हटकर आर्थिक साझेदारी को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाना था, हालांकि पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर रूस के साथ अपने संबंधों को कम करने के लिए दबाव बढ़ रहा था। बैठक के बाद दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति देने के अपने दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह मित्रता ''ध्रुव तारे'' की तरह अडिग बनी हुई है। व्लादिमीर पुतिन का यह भारत दौरा केवल एक मुलाकात भर नहीं, बल्कि यह दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह विश्व के बदलते समीकरण को भी नए सिरे से परिभाषित करने का काम करेगा। दरअसल, भारत पश्चिमी मुल्कों को यह संदेश देना चाह रहा है कि यह किसी के दबाव में विदेश नीति का निर्माण नहीं करता और ना ही किसी ध्रुव का हिस्सा है। वहीं, दूसरी ओर पुतिन चीन को यह बतलाना चाह रहे हैं कि रूस केवल एक देश पर निर्भर नहीं रहेगा बल्कि वह विकल्पों की तलाश में है।

पश्चिम के देश असहज

अहम बात यह है कि बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के करीब नजर आए हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन की सबसे दुर्लभ विदेश यात्राओं में से एक है। पिछले तीन वर्षों से अमेरिका और यूरोप पुतिन को वैश्विक मंच से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत जब पुतिन का 'रेड कार्पेट' वेलकम करता है, तो पश्चिमी देशों की यह मुहिम कमजोर साबित होती दिखती है। रूस से भारत के संबंधों को लेकर पश्चिम के देश असहज भी रहते हैं। पश्चिमी देशों की कोशिश है कि पुतिन को अलग-थलग कर दिया जाए। लेकिन भारत जैसा बड़ा देश पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत करता है। तो ऐसे में यूरोप की इस रणनीति पर पानी फिरता दिख रहा है। जब भारत जैसा बड़ा लोकतांत्रिक देश रूस के साथ बड़े समझौता करता है तो इससे बाकी दुनिया में एक संदेश जाता है कि पुतिन विश्व के अहम नेताओं की लिस्ट में शुमार हैं। रूस की इकॉनमी को कमजोर करने के इरादे से यूरोप और अमेरिका ने रूस पर कई बैन लगाए थे। लेकिन भारत सस्ती कीमत पर रूस से कच्चा तेल काफी मात्रा में खरीद रहा है। यूरोप को लगता है कि रूस पर लगे बैन के बावजूद उसे अच्छा-खासा रेवेन्यू मिल रहा है, जिसे वह यूक्रेन युद्ध में खर्च कर रहा है।

यूरोप की रणनीति को धक्का

अमेरिका और यूरोप चाहता है कि रूस से कोई भी देश डिफेंस इक्विपमेंट या हथियारों का कोई कारोबार ना करे। लेकिन हथियारों के मामले में भारत हमेशा से रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद खरीदार रहा है। इससे यूरोप की उस रणनीति को धक्का पहुंचता है, जिसमें वह चाहता है कि सैन्य रूप से भी रूस को अलग-थलग कर दिया जाए। पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की खुलकर निंदा करें और वह यूरोप के खेमे में आ जाए। लेकिन भारत ने यहां अपनी विदेश नीति का पालन करते हुए इस पर निष्पक्ष रुख रखा। उसने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में वोटिंग से दूरी बनाए रखी है और किसी भी पाले में शामिल नहीं हुआ। भारत के इस निष्पक्ष रुख से दोनों देशों के रिश्ते को और मजबूती मिलेगी। दरअसल, पश्चिमी देश रूस के खिलाफ पूरी दुनिया को लामबंद करना चाहते हैं, लेकिन पुतिन का भारत दौरा रूस-चीन-भारत के बीच मजबूत होते संबंध का मैसेज देता है। ऐसे में यूरोप के लिए पुतिन के इस दौरे को कूटनीतिक झटके के रूप में देखा जा सकता है। कुल मिलाकर दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। भारत, रूस और चीन का करीब आना अमेरिका के लिए कहीं न कहीं एक बड़ी चिंता है। अमेरिका ने उन देशों पर करीबी से निगरानी की जो रूस से तेल, गैस या अन्य संसाधन लेते हैं। इन सबके बाद भी भारत ने रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखा। यह सब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। ब्रिक्स में नई करेंसी की बात करना और अमेरिका के खिलाफ जाकर भारत का लगातार रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदना इन्हीं सब चीजों को देखते हुए अमेरिका ने भारत के ऊपर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इन सब चुनौतियों के बाद भी भारत और रूस का करीब आना एक नए ग्लोबल शिफ्ट के रूप में देखा जा रहा है।

भारत के लिए राष्ट्रहित अहम

यह स्पष्ट करता है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। भारत की विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। अमेरिका को यह डर है कि भारत रूस संबंधों में मजबूती, रूस, चीन और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने का काम करेगी। इससे भविष्य में अमेरिका और पश्चिमी देशों का जो प्रभुत्व है, वह कमजोर हो सकता है। यह यात्रा केवल समझौतों पर हस्ताक्षर करने से कहीं अधिक है, यह एक रणनीतिक आश्वासन है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।

अनुपम मित्रता का श्रेष्ठ उदाहरण हैं भारत-रूस

आयाम

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पधारे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का न केवल भारतीय शासन ने अत्यंत गरिमामयी ढंग से राजकीय सम्मान किया, अपितु देश के लोगों में भी उनके आगमन से अपार हर्ष है। पुतिन की इस यात्रा से दोनों देशों के ऐतिहासिक पारस्परिक संबंधों को एक नया विश्वसनीय आयाम प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत-रूस के संबंध गत नौ-दस दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर विश्वास तथा सहायता पर आधारित ही रहे हैं, किंतु गत एक दशक में विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की एक नवायामी दिशा परिलक्षित होती हुई दिखाई दे रही है। इससे विश्व के देशों की नई शक्ति श्रेणी निर्धारित हो रही है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों की परहितकारी गुप्त नीतियों को भारत-रूस की मैत्री से कठिन चुनौतियां मिल रही हैं। संभवतः विश्व में भारत एवं रूस ही ऐसे दो देश हैं, जिनका संयोजन स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ा। इनके मध्य उपभोक्ता उत्पादों के व्यापार में अधिक भागीदारी न होने के बाद भी, दोनों ही राष्ट्रों ने इस कारण कभी पराभव अनुभव नहीं किया। इसके विपरीत भूराजनीतिक, आर्थिक, युद्धक एवं अन्य संकटों की समयावधि में दोनों ही देशों ने एक-दूसरे की बढ़चढ़ कर सहायता की है।

दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है।

अभी पुतिन की इस यात्रा के बाद तो सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। पुतिन ने इससे पहले सन् 2000, 2012, 2014, 2018, 2021 में पांच बार भारत की यात्रा की है। कोरोना काल के बाद उनकी यह पहली भारतीय यात्रा है। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ होने के बाद सात बार रूस की यात्रा की है, किंतु गत सितंबर में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर वार्ता में रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के समय दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य पुतिन की कार में बैठकर परस्पर व गुप्त संवाद करने का जो चित्र-चलचित्र प्रसारित हुआ था, उससे भलीभांति अवगत हो गया था कि विश्व, विशेषकर दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीतिक प्रसारण पर प्रतिबंध हेतु अधि संभवतः रूस-भारत तथा कम संभावित रूप में रूस-भारत-चीन के बीच एक नई वैश्विक राजनीतिक समझ विकसित होने लगी है। पुतिन की भारत यात्रा की समयावधि में यह पहली बार है कि दोनों देशों की ओर से रक्षामंत्रियों, विदेशमंत्रियों एवं सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर टू प्लस टू वार्ता का आयोजन किया गया। पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवार्ताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है। सोवियत संघ के विघटन होने पर रूस की उत्पत्ति के बाद रूस-भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 68.7 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है।

इस शिखर वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जहां पुतिन ने भारत को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करते रहने का आश्वासन दिया है, वहां दोनों देशों ने निवेश अनुबंधों के अंतर्गत भारतीय कंपनियों को रूस के तेल एवं गैस, औषधि व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, तो रूसी कंपनियों को भारत के ऊर्जा, अवसंरचना निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्रों में पहले से अधिक निवेश करने के लिये प्रेरित किया है। वार्ता में ऐसे ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों सहित निर्बाध एवं सुगम पारस्परिक प्रवासन व गतिशीलता के 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग अधिक बढ़ेगा। पुतिन की यात्रावधि में महत्त्वपूर्ण इंडिया-रूस बिजनेस फोरम में मोदी ने विश्व में सबसे कम मूल्यों के साथ उपलब्ध श्रेष्ठ गुणवत्ता की भारतीय औषधियों के निर्माण में रूसी औषध उद्योग के सहयोग का आह्वान भी किया है। लगभग सभी क्षेत्रों में रूस ने भारत की हमेशा एक सच्चे मित्रराष्ट्र के रूप में सहायता की है। प्रत्युत्तर में भारत ने भी अपने मैत्रीपूर्ण कर्त्तव्यों का सदैव उत्तरोत्तर निर्वहन किया है।

हैदराबाद हाउस से उठती कूटनीति की गूंज

समीकरण

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात सिर्फ दो राष्ट्राधिकारियों का औपचारिक संवाद नहीं था, बल्कि एक ऐसे वक्त में हुई ऐतिहासिक बैठक थी जब वैश्विक राजनीति कई मोर्चों पर तीव्र परिवर्तन से गुजर रही है। विश्व व्यवस्था के बदलते समीकरण, यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि, अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों का बढ़ता दबाव, एशिया की नई रणनीतिक प्राथमिकताएं आदि इन सभी के बीच पुतिन का भारत आना और भारत द्वारा अपनी कूटनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से दुनिया के सामने रखना बेहद महत्वपूर्ण है। इस उच्चस्तरीय मुलाकात में भारत ने यह दो टूक कहा कि वह न्यूट्रल नहीं है, बल्कि शांतिपक्ष में है। यह बयान अपने आप में भारत की परिपक्व, आत्मविश्वासी और स्वतंत्र विदेश नीति का परिचायक है। भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बँधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है। यही भारतीय विदेश नीति की वह धारा है जिसने दशकों से भारत को वैश्विक मंच पर विश्वसनीय, संतुलित और दूरदर्शी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि पुतिन ने खुलकर कहा कि भारत खुशकिस्मत है कि उसके पास मोदी जैसे नेता हैं और उन्होंने यूक्रेन संकट में भारत की शांति कोशिशों की सराहना की। पुतिन का यह औपचारिक आभार न केवल हिंद-रूसी रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि भारत आज उस स्थिति में है जहाँ विश्व की प्रमुख शक्तियां उसकी मध्यस्थता, उसके संवाद और उसके रुख को गंभीरता से सुनती हैं। भारत के राष्ट्रपति भवन में पुतिन को 21 तोपों की सलामी दी गई। यह सम्मान उस गहरे द्विपक्षीय भरोसे और परंपरा का प्रतीक है जिसने दोनों देशों को दशकों से जोड़ा हुआ है। पुतिन ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। यह कदम न केवल भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि वैश्विक संघर्षों के बीच गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी समाधान का मार्ग हो सकते हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया। यह शब्द केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक संदेश है। ऐसे समय में जब पश्चिमी देशों में रूस के साथ संवाद सीमित हो गया है, भारत का यह रुख उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का प्रमाण है। यह भारत की उस भूमिका को भी रेखांकित करता है जो वह वैश्विक शांति के लिए निभा सकता है। पुतिन का यह दौरा अमेरिकी और पश्चिमी दबावों के बीच हुआ। लेकिन भारत ने जिस सहजता, गरिमा और स्पष्टता के साथ अपनी स्थिति रखी, वह उसके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बंधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है।

भारत और रूस के बीच अहम डील

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अहम बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं।

- भारत सरकार और रूसी संघ की सरकार के बीच एक राज्य के नागरिकों की दूसरे राज्य के क्षेत्र में अस्थायी श्रम गतिविधि पर समझौता।
- भारत और रूस के बीच अनियमित प्रवासन से निपटने में सहयोग पर समझौता।
- भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और रूसी संघ के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।
- भारत और परिवार कल्याण मंत्रालय के भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उपभोक्ता अधिकार संरक्षण और मानव कल्याण पर निगरानी हेतु संघीय सेवा (रूसी संघ) के बीच समझौता।
- ध्रुवीय जल में परिचालन करने वाले जहाजों के लिए विशेषज्ञों के प्रशिक्षण पर भारत गणराज्य सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के परिवहन मंत्रालय के बीच समझौता।
- भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के समुद्री बोर्ड के बीच समझौता।
- मेसर्स जेएससी यूरालकेम और मेसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और इंडियन पोटाश लिमिटेड के बीच समझौता।
- भारत और रूसी संघ के बीच माल और वाहनों के आवागमन के संबंध में आगमन-पूर्व सूचना के आदान-प्रदान में सहयोग के लिए भारत गणराज्य सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड और संघीय सीमा शुल्क सेवा (रूसी संघ) के बीच प्रोटोकॉल।
- भारत के संचार मंत्रालय के डाक विभाग और जेएससी रूसी पोस्ट के बीच द्विपक्षीय समझौता।
- रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे और संघीय राज्य स्वायत्त उच्च शिक्षा शैक्षणिक संस्थान स्नेशनल टॉम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, टॉम्स्क के बीच वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग पर समझौता।
- मुंबई विश्वविद्यालय, लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी और रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष की संयुक्त स्टॉक कंपनी प्रबंधन कंपनी के बीच सहयोग के संबंध में समझौता।
- प्रसार भारती, भारत और संयुक्त स्टॉक कंपनी गजप्रोम-मीडिया होल्डिंग, रूसी संघ के बीच प्रसारण पर सहयोग और सहभागिता के लिए समझौता।

कार्टूनिस्ट की नजर में ...

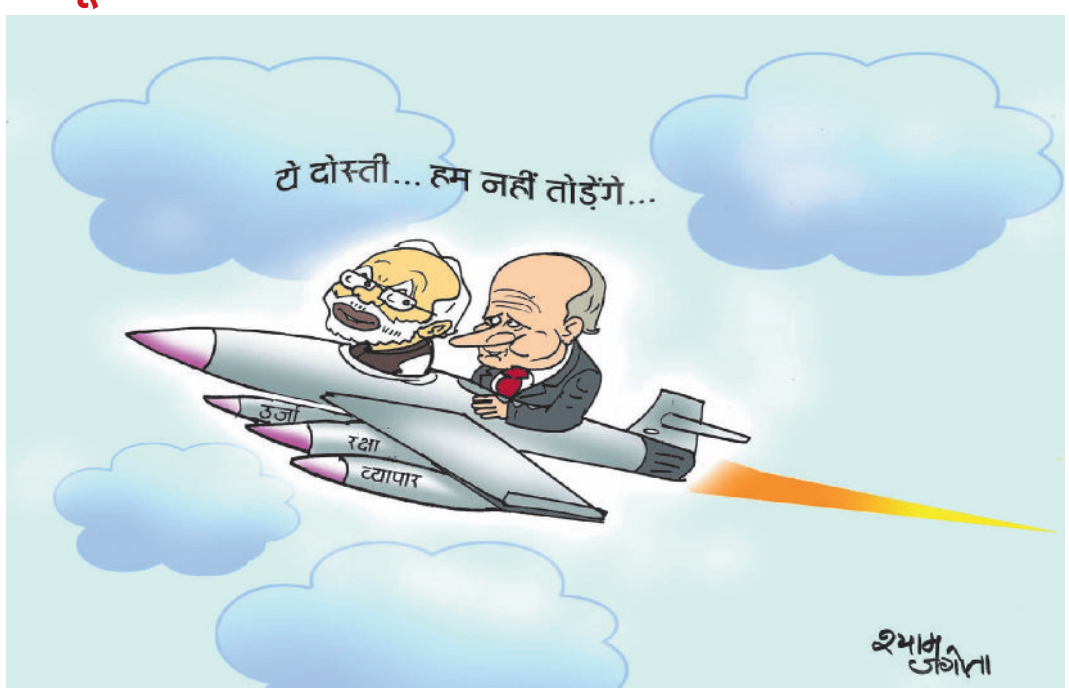

भारत ने दिया दोस्ती, सार्वभौमिकता और खुदमुख्तारी का सन्देश

कूटनीति

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

रशियन फेडरेशन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पूरी कर जा चुके हैं। इस यात्रा के दौरान दोनों नेताओं यानी राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमन्त्री मोदी के बीच खूब गर्मजोशी दिखाई पड़ी और पुतिन की अगवानी करने के लिए तो प्रधानमन्त्री मोदी ने निर्धारित प्रोटोकॉल को भी तोड़ दिया, जैसा कि वे इसके पहले भी कई बार अन्य शासनाध्यक्षों की अगवानी के लिए कर चुके हैं। पुतिन की इस यात्रा से क्या निष्कर्ष निकलते हैं, इसका तो अभी आने वाले दिनों में गुणा-भाग किया जाएगा लेकिन फिलहाल यह यात्रा अपने प्राथमिक उद्देश्य में सफल कही जा सकती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। प्रधानमन्त्री मोदी ने बहुत स्पष्ट शब्दों में दुनिया को सन्देश दिया कि वैश्विक मंच पर भारत न्यूट्रल नहीं है। भारत हमेशा शान्ति का तरफदार रहा है। थोड़ा गहराई में जाएं तो पाएंगे कि इस तरह की यात्रायें, जितना राजनीतिक दिखायी पड़ती हैं, उससे कहीं ज्यादा कूटनीतिक और व्यापारिक होती हैं। इस यात्रा का भी लब्बोलुआब कूटनीति और व्यापार ही रहा है। यूक्रेन से हो रहे युद्ध में पश्चिमी देशों ने रूस पर तमाम तरह के व्यापारिक प्रतिबन्ध लगाकर उसे अलग-थलग और आर्थिक तौर पर कमजोर करने की कोशिश की है और अमेरिका तो रूस के लिए आग बबूला हुआ बैठा है।

ऐसे में रूस को अपना काम-धंधा चलाने और यूक्रेन से लड़ाई लड़ने की दो गम्भीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में रूस के दो पुराने मित्र भारत और चीन ने निश्चित तौर पर उसे व्यापारिक सहारा दे रखा है। भारत आने से पहले मार्च 2024 में पुतिन ने चीन का भी राजकीय दौरा किया था। भारत और रूस के कई दशक पुराने द्विपक्षीय सम्बन्ध और समझौते रहे हैं। ध्यान रहे कि कोई भी रूसी राष्ट्रपति आज तक पाकिस्तान नहीं गया है। ऐसा लगता है कि वर्ष 1979 से 1989 के बीच अफगानिस्तान में रूसी दखल के समय पाकिस्तान ने अमेरिकी मदद खाकर रूस का जो विरोध किया था, उसको रूस अभी तक भूल नहीं पाया है। भारत और रूस की इस 23वीं शिखर बैठक में जो अहम समझौते किए गए हैं, उनमें एक-दूसरे से सहयोग के अलावा मेडिकल शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और उसके मानक, पर्यटन, पोलर शिप्स, मैरीटाइम कोऑपरेशन तथा रासायनिक उर्वरक आदि

देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है।

बताये जा रहे हैं। असल में भारत रूसी सामानों और उत्पादों का बहुत बड़ा ग्राहक है। आप अनुमान लगा सकते हैं कि चालू वित्तीय वर्ष में भारत-रूस के बीच लगभग 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ है। इसमें चिन्ताजनक बात यह है कि रूस ने तो हमको 63.84 अरब डॉलर का सामान बेचा है लेकिन भारत से सिर्फ 05 अरब डॉलर का ही सामान खरीदा है! ऐसे में यह बहुत बड़ा व्यापार असंतुलन का विषय है। देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है। भारत कृषि, दवा, उपभोक्ता सामान, कपड़ा तथा औद्योगिक सामाग्री का बड़े पैमाने पर रूस को निर्यात कर सकता है। अभी तो इस आपसी व्यापार में तसल्ली की बात यही कही जा सकती है कि रूस भारतीय मुद्रा में भी कुछ भुगतान स्वीकार करता है।

रूसी रक्षा उत्पादों का भारत बहुत पुराना और बड़ा ग्राहक है। इस बार भी रक्षा सम्बन्धी कुछ सौदे हुए हैं लेकिन यूक्रेन युद्ध के समय से ही रूस पर जो आर्थिक प्रतिबन्ध लगे हैं, उससे उसकी उत्पादन क्षमता और व्यवस्था प्रभावित हुई है और वह निश्चित समय पर अपने व्यापार करार पूरे नहीं कर पा रहा है। भारत को खासकर रूसी रक्षा सौदों के मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है कि आपूर्ति समय से हो सके। श्रमिकों के निर्बाध आवागमन की व्यवस्था बनाए जाने की बात कही गई है। इसमें अत्यन्त सावधान रहने की जररूरत है क्योंकि भारत से गए श्रमिकों को कथित तौर पर रूस में युद्ध के मैदान में लगा दिया गया था और अभी भी कुछ श्रमिक वहां फंसे बताये जा रहे हैं। भारत और रूस ने वर्ष 1971 में मित्रता और आपसी सहयोग को लेकर 20 वर्षों के लिए एक बड़ी शान्ति सन्धि की थी। यह रिश्ता आज तक चला आ रहा है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमन्द है। अभी सम्पन्न 23वीं शिखर बैठक ने इस भरोसे को और आगे बढ़ाया है। हालांकि पुतिन के भारत आने से ऐन पहले ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के भारत स्थित राजदूतों ने अंग्रेजी दैनिक में एक संयुक्त लेख लिखकर रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। इसके अलावा कई यूरोपियन देशों ने अपरोक्ष तौर पर भारत से आग्रह किया था कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन पर दबाव बनाये। उधर अमेरिकी मीडिया और विश्लेषकों ने इस बैठक को इस भाव में लिया कि पुतिन यह दिखाना चाहते हैं कि पश्चिमी देशों द्वारा उनके देश पर लगाये गए आर्थिक प्रतिबन्धों और उसे अलग-थलग करने की कोशिशों का उन पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभी यह देखना दिलचस्प होगा कि 'सैंक्शन्स किंग' ट्रम्प इसको किस निगाह से देख रहे हैं।

तीसरा वनडे

अफ्रीका को 9 विकेट से मात दी सीरीज 2-1 से जीती

कुलदीप, कृष्णा के कमाल के बाद जायसवाल के शतक से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

एजेंसी ▶▶ विशाखापत्तनम

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गयी। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट श्रृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भिड़ेंगी। जायसवाल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विराट कोहली (नाबाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी एनगिडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था। कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए 45 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़ें। दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र सफलता केशव महाराज (40 ओवर में 44 रन को मिली।

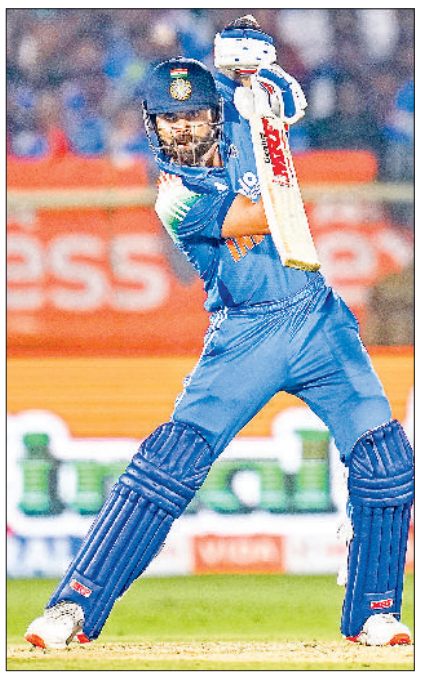

भारत ने 3 कप्तान और 20 वनडे बाद जीता टॉस, केएल राहुल ने तोड़ा जिंक्स

भारतीय क्रिकेट टीम ने वनडे फॉर्मेट में आखिरकार टॉस जीत लिया। साउथ अफ्रीका के साथ आखिरी वनडे मुकाबले में केएल राहुल के पक्ष में सिक्का गिरा। टेम्बा बवुमा ने विशाखापत्तनम वनडे में हेड कहा लेकिन टेल आया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 20 वनडे बाद टॉस जीता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इससे पहले के दो वनडे में टीम इंडिया टॉस नहीं जीत सकी थी। भारत ने विशाखापत्तनम वनडे से पहले इस फॉर्मेट में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने का अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। भारत ने वनडे क्रिकेट में आखिरी बार 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में टॉस जीता था। तब रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेले गए मुकाबले में टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया था। इसके बाद से भारतीय टीम वनडे में टॉस नहीं जीत सकी। इस दौरान रोहित के अलावा शुभमन गिल और राहुल ने भी कप्तानी संभाली।

डिकॉक ने लगाया शतक कई दिग्गजों को पछाड़ा

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने भारत के खिलाफ विशाखापत्तनम वनडे में शतक लगाया। उन्होंने 89 गेंद में आठ चौकों व छह छक्कों से 106 रन की पारी खेली। डिकॉक ने वनडे मे 23वीं बार सैकड़ा लगाया। उन्होंने इस पारी के जरिए इतिहास रचा और कई दिग्गजों को पछाड़ दिया। डिकॉक विशाखापत्तनम में शतक के जरिए भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने श्रीलंका के सनत जयसूर्या की बराबरी की। इन दोनों ने भारत के खिलाफ सात-सात वनडे शतक लगा रखे हैं। डिकॉक ने भारत में मेहमान बल्लेबाज के रूप में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में डिविलियर्स की बराबरी की। दोनों के नाम यहां पर सात-सात शतक हैं।

अफ्रीका-270/10 (47.5)

खिलाड़ी	रन
क्विंटन डिकॉक बो कृष्णा	106
रेयान का राहुल बो अर्शदीप	00
तेम्बा बावुमा का कोहली बो जडेजा	48
मैथ्यू ब्रीट्जके पगबाधा कृष्णा	24
एडेम मारक्रम का कोहली बो कृष्णा	01
डेवाल्ड ब्रेविस का रोहित बो कुलदीप	29
मार्को यानसेन का जडेजा बो कुलदीप	17
कोर्बिन बोश का एवं बो कुलदीप	09
केशव महाराज नाबाद	20
लुंगी एनगिडी पगबाधा कुलदीप	01
ओर्टनील बार्टमैन बो कृष्णा	03
अतिरिक्तः 12	
कुल योगः 47.5 ओवर में सभी आउटः 270 रन	
विकेट पतनः 1-1, 2-114, 3-168, 4-170, 5-199, 6-234, 7-235, 8-252, 9-258	
गेंदबाजीः अर्शदीप 8-1-36-1, हर्षित 8-2-44-0, कृष्णा 9.5-0-66-4, जडेजा 9-0-50-1 कुलदीप 10-1-41-4, तिलक 3-0-29-0	

भारत-271/1 (39.5)

खिलाड़ी	रन
यशस्वी जायसवाल नाबाद	116
रोहित शर्मा का ब्रीट्जके बो महाराज	75
विराट कोहली नाबाद	65
अतिरिक्तः 15	
कुल योग : 39.5 ओवर में एक विकेट पर 271 रन	
विकेट पतनः 1-155	
गेंदबाजीः यानसन 8-1-39-0, एनगिडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, बार्टमैन 7-0-60-0, बोश 6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0	

गिल की वापसी, द.अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे टी-20

एजेंसी ▶▶ कटक

भारत की टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनकी गर्दन में अकड़न आ गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है। गिल को फिटनेस के आधार पर टीम में चुना गया था और उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए रिहैबिलिटेशन से जुड़े सारे प्रोटोकॉल से गुजरना पड़ा। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन की खेल विज्ञान एवं चिकित्सा (एसएसएम) टीम को भेजे गए पत्र में कहा गया है, 'शुभमन गिल ने सीओई में अपना रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। उन्होंने खेल के सभी प्रारुपों के लिए फिट घोषित होने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा कर लिया है।'' इस टीम में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स शामिल हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

अभिषेक ने 182 की स्ट्राइक रेट से 34 गेंदों पर बनाए 62 रन

नई दिल्ली। पंजाब क्रिकेट टीम के कप्तान व भारतीय टी20 टीम के ओपनर बल्लेबाज सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट में जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस सीजन में सर्विसेज के खिलाफ लीग मैच में उन्होंने फिर से जोरदार बैटिंग की और जमकर रन बनाए। इस मैच में सर्विसेज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। इस मैच में अभिषेक ने प्रभसिमरन सिंह के साथ मिलकर पारी की शुरुआत की और पहले विकेट के लिए इन दोनों के बीच 106 रन की तगड़ी साझेदारी हुई। इसके बाद प्रभिसिमरन सिंह 28 गेंदों पर 50 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि कुछ देर के बाद ही अभिषेक का भी विकेट गिर गया, लेकिन उन्होंने 34 गेंदों पर 62 रन बनाए। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान 3 छक्के और 8 चौके लगाए जबकि उनका स्ट्राइक रेट 182.35 का रहा।

गोवा ने जम्मू-कश्मीर को हराया

कोलकाता। कप्तान सुयश प्रभुदेसाई की 28 गेंदों में 51 रन की नाबाद तूफानी पारी की बदौलत गोवा ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के ग्रुप बी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। गोवा की जीत में कश्यप बखाले ने 44 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से शानदार 59 रन बना कर अहम भूमिका निभाई टीम ने जम्मू-कश्मीर के निर्धारित 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर में तीन विकेट खोकर 167 रन बनाए। गोवा के लिए शुभम तारी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिए। ईडन गार्डन्स में खेले गये मैच में जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों में यावर हसन (48) और कप्तान शुभम खजूरिया (45) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आखिरी ओवरों में अब्दुल समद ने नौ गेंदों पर दो चौकों और इतने ही छक्कों के साथ 22 रन की आतिशी पारी खेली।

मुंबई ने ग्रुप ए से सुपर लीग में की अपनी जगह पक्की

लखनऊ। सितारों से सजी मुंबई की टीम ने पिछले दौर में केरल से मिली हार को पीछे छोड़ते हुए सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के ग्रुप ए मैच में छत्तीसगढ़ को आठ विकेट से हराकर सुपर लीग में अपनी जगह पक्की की। मुंबई की इस जीत में कप्तान शारदूल ठाकुर (19 रन पर तीन विकेट) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया जबकि युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे (39 गेंदों पर नाबाद 69 रन) ने अर्धशतक जड़कर टीम को जीत दिलाई। मुंबई ने छत्तीसगढ़ को 19.4 ओवर में 121 रन पर आउट करने के बाद 15.5 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ग्रुप चरण में अब सिर्फ एक और दौर का खेल बाकी है। इस जीत के साथ गत विजेता मुंबई और आंध्र ने एक समान छह मैचों में पांच जीत से 20 अंक के साथ टूर्नामेंट के अगले चरण के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। म्हात्रे और भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (28 गेंदों पर 40 रन) ने 82 रन की शानदार साझेदारी कर मुंबई की आसान जीत की नींव रखी।

हैदराबाद ने बिहार को रौंदा

जादवपुर विश्वविद्यालय मैदान पर खेले गए एक अन्य मुकाबले में बिहार को हैदराबाद के हाथों सात विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस कम स्कोर वाले मैच को हैदराबाद ने 8.3 ओवर शेष रहते हुए जीत दर्ज की। शानदार लय में चल रहे बिहार के किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 11 गेंद में 11 रन का ही योगदान दे सके। टीम के लिए पीयूष सिंह ने चार चौकों की मदद से 34 रन बनाए, जबकि बिपिन सौरभ ने आखिरी ओवरों में तीन छक्के लगाकर 31 रन की नाबाद पारी खेल बिहार को आठ विकेट पर 132 रन तक पहुंचाया।

जस्टिन का दोहरा शतक वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीनी जीत, मैच ड्रा

एजेंसी ▶▶ क्राइस्टचर्च

जस्टिन ग्रीव्स ने अपने कौशल और धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए नाबाद 202 रन बनाए और केमार रोच के सातवें विकेट के लिए 180 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के कमजोर आक्रमण की चुनौती को ध्वस्त करते हुए पहला टेस्ट ड्रॉ करा दिया।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 531 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा था। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 457 रन का स्कोर बनाया, जो टेस्ट क्रिकेट के पांच तक सीमित होने के बाद चौथी पारी में सर्वोच्च स्कोर है। ओवरऑल यह चौथी पारी का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वेस्टइंडीज एक समय टेस्ट इतिहास में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने की तरफ बढ़ रहा था लेकिन मैच ड्रॉ कराकर भी उसने शानदार उपलब्धि हासिल की।

ग्रीव्स ने 9 घंटे 30 मिनट में लगाया दोहरा शतक

अपने टेस्ट करियर में पहली बार दोहरा शतक लगाने वाले ग्रीव्स ने लगभग नौ घंटे 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। उन्होंने शाई होप (140) के साथ 196 रन की साझेदारी वेस्टइंडीज को चार विकेट पर 72 रन के स्कोर से उबारा। होप मैच के पांचवें और अंतिम दिन आउट होने वाले वेस्टइंडीज के दो बल्लेबाजों में से एक रहे। रोच ने अपने बल्लेबाजी कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 58 रन बनाए, जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने 233 गेंद का सामना किया। ग्रीव्स ने 388 गेंद का सामना करके 19 चौके लगाए। वह किसी टेस्ट मैच की चौथी पारी में दोहरा शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के चौथे और ओवरऑल सातवें बल्लेबाज बन गए हैं। ग्रीव्स ने मैच के बाद कहा, 'मेरा आखिर तक टिके रहना वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण था। यह मेरे लिए और टीम के लिए एक विशेष दिन है। हम काफ़ी मुश्किल दौर से गुजर रहे थे।'

निशानेबाजी विश्व कप में पदक से चूके रुद्रांक्ष, बबूता

दोहा। भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और पेरिस ओलंपिक फाइनल तक पहुंचे अर्जुन बबूता सत्र के आखिरी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पदक जीतने से चूककर क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे। इलावेनिल वलारिवन भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पिछड़ गईं। वह क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। 2022 के विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष ने इस सत्र में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था। वह 631.9 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन दौर में चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे।

डेजर्ट वाइपर्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को दो विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶ शारजाह

डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में अबूधाबी नाइट राइडर्स पर दो विकेट से रोमांचक जीत हासिल की।

नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 171 रन बनाए। उसकी तरफ से एलेक्स हेल्स ने 37 गेंदों पर तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 53 रन की पारी खेली। इनके अलावा आंद्रे रसेल ने 23 गेंद पर नाबाद 36 रन का योगदान दिया। वाइपर्स ने 19.3 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन बनाकर जीत हासिल की। उसकी तरफ से शिमरोन हेटमायर ने 25 गेंदों में 48 रन की शानदार पारी खेली जबकि खुजैमा तनवीर ने डेश ओवरों में सिर्फ 12 गेंदों में 31 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

ब्रिस्बेन टेस्टः दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी फ्लॉप, ऑस्ट्रेलिया की मैच में पकड़ मजबूत

एजेंसी ▶▶ ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में जारी एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले में अपनी पकड़ बना ली है। मुकाबले के तीसरे दिन की समाप्ति तक इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी महज 134 रन तक 6 विकेट गंवा चुकी है। मुकाबले में अभी भी ऑस्ट्रेलिया के पास 43 रन की बढ़त शेष है। पिंक बॉल टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 334 रन पर सिमट गई।

मेहमान टीम महज 5 रन तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जैक क्रॉली ने जो रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 117 रन जोड़ते हुए टीम को संभाला। इंग्लैंड की तरफ से इस पारी में जो रूट ने 206 गेंदों में 1 छक्के और 15 चौकों के साथ 138 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा, जैक क्रॉली ने 76 रन बनाए। जोफ्रा आर्चर ने इस पारी में 38 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट हासिल किए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 511 रन बना दिए। इस इनिंग में मिचेल स्टार्क ने सर्वाधिक 77 रन बनाए, जबकि जैक वेदरल्ैंड ने 72 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन ने 65 रन, एलेक्स कैरी ने 63 रन, जबकि कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए।

भारत को गलतियों से सबक लेकर जर्मनी के खिलाफ उतरना होगा

- जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप : सात बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ आज मुकाबला

चेन्नई। बेल्जियम को शूटआउट में हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम को मौजूदा और 7 बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में पिछली गलतियों से सबक लेकर उतरना होगा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तीन मिनट में दो गोल करके बढ़त बना ली थी लेकिन 59वें मिनट में बेल्जियम ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया, जिसमे गोल कीपर प्रिंस दीप सिंह के उम्दा प्रदर्शन से मेजबान टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की।

खिताब से दो जीत दूर भारत

श्रीजेश ने मैच के बाद कहा ,' नॉकआउट मैचों में इस तरह की गलतियां नहीं कर सकते । सबसे पहले तो गोल करने के मौके बर्बाद करने से बचना होगा और आखिरी क्षणों में गोल गंवाने की गलती से पार पाना होगा । हम खिताब से दो जीत दूर हैं और खिलाड़ियों को बखूबी पता है कि यह खिताब जीतना उनके लिए कितना जरूरी है ।'' पिछली बार 2023 में कुआलालम्पुर में हुए जूनियर विश्व कप में जर्मनी के खिलाफ ही सेमीफाइनल में भारत को 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी थी जब वह दर्जन भर पेनल्टी कॉर्नर में से एक पर भी गोल नहीं हो सका था । दूसरी ओर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे।

15 जनवरी से पीडब्ल्यूएल

300 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

नई दिल्ली। प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) अगले साल 15 जनवरी से शुरू होगी और एक फरवरी तक चलेगी। इसके सभी मैच नोएडा इंडोर स्टेडियम में होंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने यह घोषणा की। आयोजकों ने पहले घोषणा की थी कि लीग के लिए दिल्ली एकमात्र स्थल होगा। इस लीग को कोविड-19 महामारी के कारण चार सत्रों के बाद निलंबित कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह के अनुसार 20 से अधिक देशों के 300 से अधिक पहलवानों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। इन खिलाड़ियों में ओलंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट और भारत के शीर्ष पहलवान शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छह टीमों में चार महिला पहलवानों सहित नौ पहलवान शामिल होंगे। सभी टीमों में पांच भारतीय और चार विदेशी पहलवान हो सकते हैं।

सुपर कप फाइनल में भिड़ेंगे ईस्ट बंगाल और एफसी गोवा

मडगांव। कोलकाता की दिग्गज टीम ईस्ट बंगाल एफसी और मौजूदा चैंपियन एफसी गोवा सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को एक-दूसरे के सामने होंगी तो यह मुकाबला केवल ट्रॉफी के लिए नहीं है बल्कि एएफसी चैंपियंस लीग 2 के शुरुआती चरण में सीधे प्रवेश के लिए भी होगा। फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें जीत के साथ इतिहास रचने की कोशिश करेंगी।

अगले साल 11 जून से शुरू होने वाले फुटबॉल विश्व कप में होंगे रिकॉर्ड 104 मैच

खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगा अर्जेंटीना

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगा, जिसमें सभी की निगाहें स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी पर टिकी रहेंगी, जो रिकॉर्ड छठी बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे।

विश्व कप 2026 के क्वालीफाइंग मुकाबले 27 महीने पहले शुरू हो गए थे। इस टूर्नामेंट में पांच बार के चैंपियन ब्राजील से लेकर पदार्पण करने वाले केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान सहित 48 देशों की टीम अपना कौशल दिखाएंगी। अगले साल 11 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 104 मैच होंगे। लगभग डेढ़ लाख की आबादी वाला कुराकाओ जनसंख्या के लिहाज से विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। उसका पहला मुकाबला चार बार के चैंपियन जर्मनी से होगा।

16 जून को अर्जेंटीना का पहला मैच

तीन बार की चैंपियन अर्जेंटीना का पहला मैच 16 जून को मिसौरी के कैनसस सिटी या कैलिफ़ोर्निया के सांता क्लारा में होगा। इसके बाद ग्रुप जे में उसका सामना ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। टूर्नामेंट के दौरान 39 वर्ष के हो जाने वाले मेस्सी ने अभी तक इस टूर्नामेंट में खेलने की प्रतिबद्धता नहीं जताई है, लेकिन यदि वह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने से इनकार कर देते हैं तो यह चौंकाने वाली बात होगी।

अमेरिकी टीम भिड़ेगी ऑस्ट्रेलिया से

अमेरिकी टीम सिएटल में ऑस्ट्रेलिया से और फिर 25 जून को सोफी स्टेडियम में तुर्की, रोमानिया, स्लोवाकिया या कोसोवो से भिड़ेगी। इन टीम में से कोई एक टीम अगले साल होने वाले प्लेऑफ से विश्व कप में जगह बनाएगी। मैक्सिको 11 जून को मैक्सिको सिटी में ग्रुप ए में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा।

अमेरिकी धरती पर एक मैच खेलेगा ईरान

जिनेवा। ईरान अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में कम से कम एक मैच अमेरिका में खेलेगा, हालांकि टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद यह सुनिश्चित हो गया कि इन दोनों भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच ग्रुप चरण में कोई मुकाबला नहीं होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान के नागरिकों पर वीजा प्रतिबंध लगाए हैं। ईरान की टीम 15 जून को कैलिफोर्निया के सिएटल या इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। ईरान के अगले दो मैच कनाडा के वैंकूवर या इंगलवुड और सिएटल में खेले जा सकते हैं। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा खेलों के विस्तृत कार्यक्रम की पुष्टि करेगा।

भारत कुचलेगा आतंक का 'फन'

नए साल में इजराइल देगा 40 हजार लाइट मशीनगन की पहली खेप

इजराइली कंपनी आईडब्ल्यूआई के सीईओ शुकी श्वार्ट्ज ने कहा कि एलएमजी की पूरी सप्लाई 5 साल में पूरी होगी, लेकिन हम इसे और तेजी से भी कर सकते हैं। पहली खेप जनवरी-फरवरी में ही पहुंच जाएगी

एजेंसी ▶▶ यरुशलम

भारत भी अब इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की तर्ज पर आतंकवादियों का सफाया करेगा। भारत की इस मुहिम में इजराल साथ देगा। इजराइल की प्रमुख रक्षा कंपनी इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज (आईडब्ल्यूआई) ने कहा है कि वह अगले साल की शुरुआत से भारत को 40,000 लाइट मशीन गनों (एलएमजी) की पहली खेप सप्लाई करने जा रही है। साथ ही, करीब 1.70 लाख नई पीढ़ी की क्लोज क्वार्टर बैटल (सीक्यूबी) कार्बाइन राइफलों की सप्लाई के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर अंतिम चरण में है।

अर्बेल गन

अर्बेल गन खुद ही लक्ष्य की सटीकता तय करती

सभी टेस्ट, ट्रायल और सरकारी जांच पूरी हो चुकी

1.70 लाख सीक्यूबी राइफलें भी खरीदेगा भारत

इजराइली हथियारों से होगा आतंक का खात्मा

इजराइली कंपनी आईडब्ल्यूआई के सीईओ शुकी श्वार्ट्ज ने कहा कि उनकी कंपनी भारत के गृह मंत्रालय के विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्तौल, राइफल और मशीन गन सहित अपने उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने बताया कि हम इस समय तीन बड़े कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला है पिछले साल हस्ताक्षरित 40,000 लाइट मशीन गनों का अनुबंध। सभी टेस्ट, ट्रायल और सरकारी जांच पूरी हो चुकी हैं। हमें उत्पादन का लाइसेंस भी मिल गया है। हमारा इरादा नए साल की शुरुआत में ही पहली खेप सप्लाई करने का है। एलएमजी की पूरी सप्लाई 5 साल में पूरी होगी, लेकिन हम इसे और तेजी से भी कर सकते हैं। पहली खेप जनवरी-फरवरी में ही पहुंच जाएगी।

भारत-इजराइल के बीच सीक्यूबी कार्बाइन टेंडर

शुकी श्वार्ट्ज ने कहा कि दूसरा बड़ा कार्यक्रम सीक्यूबी कार्बाइन टेंडर का है, जिसमें आईडब्ल्यूआई दूसरी सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी है (पहली है भारत फोर्ज)। श्वार्ट्ज ने कहा कि हम इस अनुबंध का 40% हिस्सा (लगभग 1,70,000 कार्बाइन) सप्लाई करेंगे। अनुबंध पर हस्ताक्षर का प्री-स्टेज चल रहा है और मुझे विश्वास है कि यह इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक फाइनल हो जाएगा।

अर्बेल तकनीक पर भी बात चल रही

श्वार्ट्ज ने बताया कि वे भारत के साथ अपनी सबसे उन्नत 'अर्बेल' तकनीक को एकीकृत करने की शुरुआती बातचीत कर रहे हैं। यह दुनिया का पहला कम्प्यूटरीकृत हथियार सिस्टम है जो जटिल एल्गोरिदम की मदद से यह तय करता है कि सैनिक का निशाना सही है या नहीं और फिर अत्यधिक सटीकता से तुरंत फायर करता है। उन्होंने कहा कि हम विभिन्न भारतीय एजेंसियों से अर्बेल सिस्टम अपनाने की शुरुआती चर्चा कर रहे हैं।

मेक इन इंडिया पहल का साथी बनेगा इजराइल

आईडब्ल्यूआई, गृह मंत्रालय और उसकी विभिन्न एजेंसियों के साथ कई छोटे-बड़े अनुबंधों के तहत पिस्तौल, राइफल और एलएमजी की सप्लाई वर्षों से कर रही है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' पहल में आईडब्ल्यूआई के शुरुआती समर्थन पर गर्व जताते हुए कहा कि अडाणी ग्रुप के साथ उनकी साझेदारी मजबूत हो रही है और भविष्य में लाइट वेपन्स के स्थानीय उत्पादन व अर्बेल जैसी उन्नत तकनीकों के हस्तांतरण में यह साझेदारी अहम भूमिका निभाएगी।

खबर संक्षेप

साउथ अफ्रीका में गोलीबारी, 11 की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में प्रिटोरिया के पास एक हॉस्टल में

की गई गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक कुल 25 लोगों को गोली मारी गई। यह हमला शनिवार तड़के उस वक्त हुआ, जब कुछ लोग हॉस्टल के अंदर मौजूद शराबखाने में शराब पी रहे थे। मरने वालों में 3 साल का बच्चा, एक 12 साल का लड़का और 16 साल की लड़की शामिल हैं। 3 साल का बच्चा उसी अवैध शराबखाने के मालिक का बेटा बताया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता एथलेन्दा मथे ने यह जानकारी दी।

न्यूयॉर्क में आग से झुलसी भारतीय छात्रा की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक घर में आग लगने से गंभीर

रूप से झुलसी 24 वर्षीय एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई। सहजा रेड्डी उदुमाला न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उन्हें उदुमाला के 'असामयिक निधन' पर गहरा दुख है, जिन्होंने अल्बानी के एक घर में आग लगने की घटना में अपनी जान गंवा दी। इस कठिन समय में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की दो टूक

पुतिन के दौरे से भारत-अमेरिका रिश्तों पर असर नहीं, हमारी दोस्ती कोई और तय नहीं कर सकता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जयशंकर ने कहा कि सभी को पता है कि भारत का दुनिया के हर बड़े देश से संबंध है। किसी भी देश के लिए यह उम्मीद करना कि भारत अपने अन्य देशों से रिश्ते कैसे बनाएगा, इस पर उसकी राय मानी जाएगी, यह उचित नहीं है। अगर हमने ऐसा किया तो दूसरे देश भी हमसे यही उम्मीद करेंगे

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दौरे का असर भारत-अमेरिका के रिश्तों पर नहीं पड़ेगा। विदेश मंत्री ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते बातचीत पर इसका असर पड़ने की अफवाहों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भारत किस से दोस्ती करे या न करे यह भारत के अलावा कोई और तय नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि भारत का दुनिया के हर बड़े देश से संबंध है।

किसी भी देश के लिए यह उम्मीद करना कि भारत अपने अन्य देशों से रिश्ते कैसे बनाएगा, इस पर उसकी राय मानी जाएगी, यह उचित नहीं है। अगर हमने ऐसा किया तो दूसरे देश भी हमसे यही उम्मीद करेंगे। अमेरिका के साथ हो रहे व्यापार समझौते पर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अपने किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग के हितों की पूरी रक्षा करेगा। वहीं, जयशंकर ने भारत-रूस संबंध को दुनिया के सबसे मजबूत रिश्तों में से एक बताया।

यूएस के साथ ट्रेड डील में हर वर्ग के हितों का रखेंगे ध्यान

शेख हसीना को आगे क्या करना है यह उनका फैसला

राष्ट्रपति पुतिन और विदेश मंत्री एस. जयशंकर फाइल फोटो

जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं। भारत सरकार ने पहले भी कई बार कहा है कि मानवीय आधार पर हसीना को शरण दी गई है और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शेख हसीना का भारत में रहना मूलतः उनका व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन जिन परिस्थितियों में वे सत्ता छोड़कर भारत आईं वे इस फैसले के पीछे महत्वपूर्ण कारक हैं। उन्होंने कहा कि वह एक खास परिस्थिति में यहां आई थीं और मुझे लगता है कि वह परिस्थिति स्पष्ट रूप से इस बात में भूमिका निभाती है कि उनके साथ आगे क्या होगा। लेकिन फिर भी, अंतिम फैसला उन्हें ही करना है।

भारत-रूस का रिश्ता हमेशा विश्वसनीय रहा

जयशंकर ने भारत-रूस संबंधों को दुनिया के सबसे स्थिर, मजबूत और बड़े रिश्तों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि पुतिन की यात्रा ने पिछड़े क्षेत्रों, विशेष रूप से आर्थिक सहयोग में साझेदारी को नए तरीके से पेश किया है। रूस का चीन, अमेरिका और यूरोप के साथ रिश्ता कई बार ऊपर-नीचे हुआ, लेकिन भारत के साथ यह रिश्ता हमेशा स्थिर और विश्वसनीय रहा। जयशंकर ने कहा कि भारत जैसे बड़े और उभरते देश के लिए, जिससे और बेहतर करने की अपेक्षा की जाती है। यह जरूरी है कि हमारे खास रिश्ते अच्छी स्थिति में हो। हम महत्वपूर्ण देशों के साथ सहयोग बनाए रख सकें और हमें अपने हित के अनुसार मित्र चुनने की आजादी हो। यहीं हमारी विदेश नीति है।

भारत-रूस संबंध में रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष जैसे क्षेत्र हमेशा मजबूत रहे

जयशंकर ने कहा कि किसी भी लंबे रिश्ते में कुछ क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ते हैं और कुछ पीछे रह जाते हैं। भारत-रूस संबंध में रक्षा, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्र हमेशा से बहुत मजबूत रहे, लेकिन व्यापार और आर्थिक सहयोग उतना नहीं बढ़ पाया था। उन्होंने कहा कि इसके उलट, अमेरिका और यूरोप के साथ भारत का आर्थिक रिश्ता 80, 90 और 2000 के दशक में तेजी से बढ़ा, पर रक्षा और सुरक्षा सहयोग में उतनी प्रगति नहीं हुई।

पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान

मुनीर को अरेस्ट करे यूएस भारत से 'माफी' मांगे ट्रंप

पाकिस्तान और आसिम मुनीर को लेकर अमेरिका के एक शीर्ष पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान सामने आया है। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने पाकिस्तान को आतंकी देश कह दिया और आसिम मुनीर को गिरफ्तार करने की बात कही है। रुबिन ने कहा, अमेरिका के लिए पाकिस्तान को गले लगाने का कोई रणनीतिक तर्क नहीं है। रुबिन ने कहा, इसे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश घोषित किया जाना चाहिए। अगर आसिम मुनीर अमेरिका आते हैं तो उन्हें सम्मानित करने के बजाए गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हमें पर्दे के पीछे शांत कूटनीति की जरूरत है।

पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन

10 दिसंबर से शुरू होगी व्यापार वार्ता

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर 10 दिसंबर से बातचीत शुरू होगी। यह बातचीत तीन दिन चलेगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए इस बातचीत को अहम माना जा रहा है। दोनों पक्षों की बातचीत 12 दिसंबर तक चलेगी और अभी यह बातचीत का औपचारिक राउंड नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए दिल्ली आएगा और उसका नेतृत्व अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर करेंगे।

भारत के साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया

रुबिन ने कहा कि पिछले एक साल में हमने भारत के साथ जैसा बर्ताव किया है। उसके लिए अमेरिका को खुलकर माफी मांगनी चाहिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को माफी मांगना पसंद नहीं है, लेकिन अमेरिका के लोकतंत्रों का हित एक आदमी के अहंकार से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो। रुबिन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे पर कहा कि रूस के नजरिए से, यह दौरा बहुत सकारात्मक है। भारत ने व्लादिमीर पुतिन को ऐसे सम्मान दिए हैं जो उन्हें दुनिया में कहीं और मुश्किल से मिलेंगे।

आतंकवाद के सभी खतरों से मुक्त होना चाहिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र

- ये जानकारी क्वाड देशों के आतंकवाद रोधी संयुक्त कार्य समूह की तीसरी बैठक के बाद जारी किए गए संयुक्त बयान से मिली है।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अलग-अलग कारणों की वजह से चिंताजनक बने हुए वैश्विक माहौल के बीच भारत में बीते 4-5 दिसंबर को अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय देशों के समूह 'क्वाड के आतंकवाद रोधी संयुक्त कार्य समूह' (सीटीडब्ल्यूजी) की तीसरी महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें सभी ने एकजुटता के साथ आतंकवाद और उसके विभिन्न रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। आतंकवादियों, आतंकी संगठनों और उनके तमाम तरह के छद्म संगठनों के संबंध में जरूरी सूचनाओं को लगातार साझा करने को लेकर क्वाड देशों ने बैठक में अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया। यह जानकारी बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी किए गए एक संयुक्त बयान से मिली है। इस महत्वपूर्ण आयोजन में भारत का नेतृत्व मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) और राजदूत सिबि जॉर्ज ने किया। उनके साथ मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आतंकवाद रोधी मामले) डॉ.विनोद बहादे भी शामिल हुए।

लालकिला हमले के दोषियों को मिले सजा

मंत्रालय ने बताया कि यह बैठक भारत द्वारा की जाने वाली क्वाड समूह की आगामी मेजबानी से ठीक पहले आयोजित की गई है। जिसमें चारों समूह देशों के प्रतिनिधियों ने भारत के पहलगाम और 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास हुए आतंकी हमले की सख्त लहजे में निंदा की। साथ ही इन घटनाओं को लेकर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए यह आह्वान किया कि इन भयावह हमलों के सभी दोषियों, प्रायोजकों और वित्तीय मददगारों को हर हाल में न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को इस संबंध में अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए। बैठक में भागीदारों ने आतंकवाद के खतरे से जुड़े भूभाग का आकलन किया।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव, पाकिस्तान पर नरमी पर जयराम ने किए कटाक्ष

नई दिल्ली। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने 2025 की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी की है, जिसमें भारत-पाकिस्तान संबंधों और पाकिस्तान को लेकर अमेरिकी रुख में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस दस्तावेज़ को लेकर केंद्र सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना

साधते हुए कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच "भड़कते संघर्ष को समाप्त किया था"। यह दावा दस्तावेज़ की प्रस्तावना के साथ-साथ पेज नंबर 8 पर भी दर्ज है। जयराम रमेश के अनुसार, 33 पन्नों की इस नई रणनीति में पाकिस्तान को लेकर अमेरिकी नीति में उल्लेखनीय नरमी दिखाई देती है। 2017 की ट्रंप-कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में पाकिस्तान पर आतंकवादी संगठनों को समर्थन देने, अमेरिका के सहयोगी देशों के खिलाफ गतिविधियों और अपने परमाणु हथियारों के गैर-जिम्मेदाराना प्रबंधन को लेकर कड़ी आलोचना की गई थी। लेकिन 2025 की इस नई रणनीति में पाकिस्तान के खिलाफ ऐसी कोई तीखी टिप्पणी शामिल नहीं की गई है। इसे अमेरिका की बदली हुई रणनीतिक प्राथमिकताओं के रूप में देखा जा रहा है। जयराम रमेश ने इस घटनाक्रम पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा – "क्या से क्या हो गया, बेवफ़ा तेरी दोस्ती में।"

भारत-अमेरिका राजी, व्यापक कदमों से किया जाना चाहिए आतंकवाद से मुकाबला

- भारत-अमेरिका राजी, व्यापक कदमों से किया जाना चाहिए आतंकवाद से मुकाबला
- आतंकवाद से मुकाबले पर गठित किए गए संयुक्त कार्य समूह, 7वें डेजिगनेशंस संवाद को लेकर भारत-अमेरिका के बीच हुई बैठक से निकला यह निष्कर्ष।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच राष्ट्रीय राजधानी में आतंकवाद से मुकाबले पर गठित किए गए संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) और सातवें डेजिगनेशंस डायलॉग की एक अहम बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों की व्यापक अंतरराष्ट्रीय सामरिक साझेदारी की भावना के तहत इस वैश्विक चुनौती का मुकाबला करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग के महत्व को पूरी दृढ़ता के साथ रेखांकित किया गया। दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी रूपों, प्रकारों (सीमा पार आतंकवाद शामिल) की कड़ी निंदा की। साथ ही आतंकी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बढ़ते मानव रहित विमानों (यूएवी), ड्रोन और कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल पर चिंता जताई है।

भारत के पहलगाम और लाल किले के पास हुए बम धमाके की घटनाओं की दोनों देशों ने सख्त अंदाज में आलोचना की है। यह जानकारी बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी किए गए एक साझा बयान से मिली है। जिसमें ये बताया गया कि बैठक में भारत की ओर से मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आतंकवाद से मुकाबले के मामले से जुड़े हुए) डॉ.विनोद बहादे और अमेरिका से उनके विदेश मंत्रालय की अधिकारी मोनिका जेकॉबसेन ने भाग लिया।

सूचनाएं साझा करेंगे, कानूनी सहयोग बढ़ाएंगे

बयान के मुताबिक, भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों ने बैठक में कानून की अनुपालन के साथ ही न्यायिक सहयोग को बढ़ाने के मामले पर चर्चा की। जिसमें सूचनाओं के आदान-प्रदान के साथ ही साझा कानूनी सहायता अनुरोध का मुद्दा शामिल किया गया। आतंकियों की भर्ती, आतंकी उद्देश्य से किए जाने वाले तकनीक के इस्तेमाल और आतंकवाद के लिए धन मुहैया कराने जैसे परंपरागत और उभरते हुए खतरों-चुनौतियों के विषय की बैठक में समीक्षा की गई। साथ ही इन चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए सहयोग बढ़ाने से जुड़े हुए उपायों पर भी दोनों पक्षों ने इस संवाद के दौरान खासा जोर दिया है। प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, अच्छी आदतों का आदान-प्रदान के अलावा नियमित रूप से द्विपक्षीय व बहुपक्षीय रूप से सूचनाओं को साझा करने पर भी भारत और अमेरिका राजी हैं।

यूएन, क्वाड, एफएटीएफ में बढ़ेगा सहयोग

आतंकवाद के खिलाफ जहां एक ओर भारत और अमेरिका लगातार सतत और व्यापक रूप से कदम उठाने के पक्ष में हैं। वहीं दोनों ने बहुपक्षीय मंचों जैसे यूएन, क्वाड और एफएटीएफ में इस संदर्भ में सहयोग को मजबूत बनाए रखने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। दोनों देशों ने बैठक में ये आह्वान भी किया कि आईएसआईएस, अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों व उनके छद्म संगठनों पर अतिरिक्त पाबंदियां लगाई जानी चाहिए। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद के छद्म संगठन, आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले इनके समर्थकों, प्रायोजकों और वित्तीय मददगार भी इसमें शामिल हैं। यूएन की मामले पर गठित की गई 1267 समिति के तहत वैश्विक आतंकी संगठनों और प्रमुख आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी अंतरराष्ट्रीय संपत्ति को जब्त करने, यात्रा और हथियारों पर रोक लगाने का काम किया जाता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25